News सिटी चीफ

सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-05
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया
खुश होकर काम करो, खुशी के साथ सफलता भी मिलेगी।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, शुक्रवार 11 अप्रैल 2025

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

फर्जी कॉर्डियोलॉजिस्ट मामले में अब जागा प्रशासन

आखिरकार दमोह के मिशन अस्पताल की कैथ लैब सील

दमोह। लगातार सवालों से घिरे स्वास्थ्य विभाग ने आखिरकार गुरुवार को दमोह के मिशन अस्पताल की कैथ लैब को सील कर दिया। आरोप है कि यहां फर्जी कॉर्डिलॉजिस्ट ने कई मरीजों की बीते जनवरी व फरवरी में हार्ट सर्जरी की। इनमें से कुछ दिनों के अंतराल में सात मरीजों की मौत हो गई। इन मरीजों का ऑपरेशन फर्जी डिग्रीधारी डॉक्टर ने किया था। यह फर्जी डॉक्टर अपने आपको लंदन का मशहूर डॉक्टर जॉन एन केम बताता था। जिला प्रशासन ने मामले का संज्ञान तब लिया, जब मानव अधिकार आयोग ने प्रशासन से जवाब तलब किया। दरअसल, इस मामले में बाल कल्याण समिति एवं एक युवक द्वारा मानव अधिकार आयोग के साथ ही जिला प्रशासन पुलिस, प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग को 19 फरवरी को मिशन अस्पताल में चल रहे फर्जीवाड़े की शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन इतने दिन बीत जाने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग ने अभी तक मिशन अस्पताल के संचालकों को नोटिस तक जारी नहीं किए। इस कारण अस्पताल का संचालक डॉ.अजय लाल दमोह छोड़कर चला गया है।

इसलिए करना पड़ी कार्रवाई इन सब घटनाओं के बीच प्रयागराज से फर्जी डॉक्टर एमजॉन केम की गिरफ्तारी और उसे न्यायालय से पुलिस रिमांड में लिए जाने के बाद हुए खुलासों के बाद स्वास्थ्य विभाग को कार्रवाई करनी पड़ी। जिला अस्पताल में पदस्थ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. प्रहलाद पटेल, डॉ. विक्रांत सिंह चौहान, पूर्व सिविल सर्जन डॉ. राजेश नामदेव की टीम ने गुरुवार शाम मिशन अस्पताल पहुंचकर कैथ लैब को सील किया। डॉ.विक्रांत चौहान ने बताया कि प्रशासन की गाइडलाइन और नियम के अनुसार कैथ लैब को इसलिए सील किया गया है, क्योंकि यहीं से एंजियोग्राफी हुई थी। यहां पर ही सारे साक्ष्य मौजूद हैं।

जांच टीम ने कैथ लैब में क्या-क्या पाया जांच टीम का कहना है कि जांच रिपोर्ट प्रशासन को सौंपी जाएगी। जांच टीम के वरिष्ठ सदस्य डॉ. प्रहलाद पटेल ने बताया कि ब्लड बैंक के प्रभारी यहां पर मौजूद नहीं थे। टेक्नीशियन ही लैब में मौजूद थे। यहां पर बाकी सभी चीज संतोषजनक पाई गई हैं। 6 यूनिट ब्लड भी पाया गया, जो सुरक्षित रखा गया था। अपनी रिपोर्ट से हम प्रशासन को अवगत कराएंगे, जो भी कार्रवाई होगी, वह नियम अनुसार होगी।

विकास की बातः केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने की घोषणा- मध्यप्रदेश में 33 हजार करोड़ की लागत से 5 ग्रीनफील्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर बनेंगे

दो साल में अमेरिका से भी अच्छी होंगी एमपी की सड़कें

धार। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने गुरुवार को मध्यप्रदेश को बड़ी सौगात दी। उन्होंने धार जिले के बदनावर में 5,800 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 10 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। उन्होंने रिमोट दबाकर बदनावर-उज्जैन फोरलेन का लोकार्पण किया। धार जिले के बदनावर में 1352 करोड़ लागत से तैयार इस फोरलेन का निर्माण भारत माला परियोजना के तहत किया गया है। इस मौके पर उन्होंने कहा कि मैं 2 साल में ही मध्यप्रदेश की सड़कों को अमेरिका के मार्गों की तरह बना दूंगा। गडकरी ने कहा कि मध्यप्रदेश में 33 हजार करोड़ की लागत से 5 ग्रीनफील्ड इकोनॉमिक कॉरिडोर बनेंगे। ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी पर विश्वस्तरीय आइकोनिक ब्रिज बनाया जाएगा। इसके अलावा 1200 करोड़ की लागत से 6 रोप भी बनाए जाएंगे।

नितिन गडकरी ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तारीफ करते हुए कहा कि सीएम डॉ. यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश लगातार विकास कर रहा है। यह देखकर अच्छा लगता है। किसी भी देश के विकास में चार चीजें महत्वपूर्ण होती हैं। इन्हें हम इन्फ्रास्ट्रक्चर कहते हैं। इसमें वाटर, पावर, ट्रांसपोर्ट एंड कम्युनिकेशन। यह चार चीजें जहां होती हैं वहां उद्योग और व्यापार बढ़ता है, वहां रोजगार मिलता है। जहां रोजगार मिलता है वहां गरीबी, भुखमरी और बेरोजगारी दूर होती है। मध्यप्रदेश को सुख समृद्ध और संपन्न बनाने का मिशन मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के सामने है। इसलिए सभी क्षेत्रों में मध्यप्रदेश बहुत तेजी से प्रगति कर रहा है। यह प्रगति का इतिहास मैंने बहुत नजदीक से देखा है। मैं आप सबको, मध्यप्रदेश की जनता को, मुख्यमंत्री को, मंत्रियों को, सांसदों को इस बात का विश्वास दिलाना चाहता हूं कि आने वाले दो साल के अंदर मध्यप्रदेश का नेशनल हाईवे रोड नेटवर्क अमेरिका से भी अच्छा बनेगा।

उज्जैन, देवास, शाजापुर, इंदौर, धार, राजगढ़, अशोकनगर को लाभ गडकरी ने कहा कि उज्जैन और आसपास के इलाकों के लिए ऐतिहासिक दिवस है। 5,800 करोड़ रुपए से अधिक लागत की 10 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास का उज्जैन, देवास, शाजापुर, इंदौर, धार, राजगढ़, अशोकनगर जैसे जिलों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। इन परियोजनाओं के जरिये उज्जैन और आसपास के जिलों को बेहतर सड़क कनेक्टिविटी के साथ विकास की नई रफ्तार मिली है। इन परियोजनाओं के विकास से दिल्ली, राजस्थान, गुजरात और महाराष्ट्र की उज्जैन से हाई स्पीड कनेक्टिविटी होगी। श्रद्धालुओं के लिए श्री महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग की यात्रा सुगम और सुविधाजनक होगी। दिल्ली एवं मुंबई का मालवा क्षेत्र से सुगम संपर्क प्रस्थापित होगा। लॉजिस्टिक की लागत में कमी आएगी।

एक साल में तीन लाख करोड़ के काम पूरे होंगे भूतल परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि हम एक साल में तीन लाख करोड़ के काम हम पूरा करने जा रहे हैं। मप्र की सड़कें अमेरिका से भी अच्छी होंगी। मैं आप सबको इस बात का विश्वास देना चाहता हूं कि आने वाले दो साल के अंदर म.प्र. का नेशनल हाईवे रोड नेटवर्क अमेरिका से भी अच्छा बनेगा और मैं जो घोषणा करता हूं वो हवा में नहीं जाती। मैं बड़ी-बड़ी बातें करने वाला लीडर नहीं हूं, जो बात करूंगा वह डंके की चोट पर पूरी करके दूंगा। मंत्री नितिन गडकरी ने मप्र की सड़कों की पहले की स्थिति पर व्यंग कसते हुए एक वाकया भी सुनाया। उन्होंने कहा कि एक बार में जब बीजेपी का अध्यक्ष था। मैं दौरा कर रहा था तभी एक जवान स्कूटर पर अपनी पत्नी को लेकर तेजी से जा रहा था। मेरे साथ पुलिस की गाड़ियां थीं। उसने हमारी गाड़ियों को ओवरटेक किया, पीछे मुड़कर बार-बार देख रहा था। उतने में मेरे पास बैठे पार्टी के प्रमुख ने कहा देखो वह आपको देख रहा है। मैंने बोला मूर्ख वह मुझे नहीं देख रहा है, वह देख रहा है रोड पर इतने गड्ढे हैं, पत्नी बैठी है कि गिर गई।

लौट रहा हजारों साल पुराना गौरवपूर्ण इतिहास कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज का यह प्रदेश, खासकर मालवा के लिए ऐतिहासिक है। हमारे अतीत का लगभग एक हजार साल का गौरवपूर्ण इतिहास लौट रहा है। यह हमारे लिए गौरवपूर्ण क्षण है। यह हमारे लिए नया रिकॉर्ड है। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मध्यप्रदेश के विकास के लिए अभिनंदन करते हैं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी की सौगात पूरब को पश्चिम और उत्तर से दक्षिण को जोड़ रही है। जिन मार्गों से द्वारका, बद्रीनाथ, श्री कृष्ण, श्री राम और महाराज शिवाजी का संबंध है, उसका केंद्र बिंदु उज्जैन को बनना था, लेकिन ऐसा हो नहीं सका। मुगल जब अपनी राजधानी दिल्ली से हटाकर आगरा ले गए उस वक्त आगरा-मुंबई राजमार्ग बन गया। तब भी उज्जैन पीछे रह गया था। अंग्रेज 1912 में राजधानी तो दिल्ली ले आए, लेकिन उस राजमार्ग के रास्ते पर उज्जैन छूट गया था। अब मुझे इस बात की खुशी है कि केंद्रीय मंत्री गडकरी के माध्यम से वो गौरवशाली इतिहास राजमार्ग के माध्यम से वापस मिल रहा है। गरोठ वाला राजमार्ग जबलपुर के आकर देवास से उज्जैन जाएगा। इससे हमें फायदा होगा। दूसरी ओर, उज्जैन के बाद सुपर एक्सप्रेस वे शुरू होगा। यह मार्ग दिल्ली-मुंबई की 14 घंटे की दूरी घटाकर 7 घंटे कर देगा। यह विकास वास्तव में क्रांति है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मंत्री गडकरी के नेतृत्व में भारत की सड़कें चमचमा गईं। उन्होंने गांव से गांव को जोड़ दिया। इस मामले में मध्यप्रदेश भाग्यशाली है। आज सड़कों की कनेक्टिविटी से लोगों की, किसानों की, उद्योगपतियों की जिंदगी बदल रही है।

सिंहस्थ में मिलेगी मदद सीएम डॉ. यादव ने कहा कि आने वाले समय में धार जिले में, बदनावर की सूरत बदल जाएगी। बड़नगर, नागदा, इंदौर, उज्जैन, देवास, धार, पीथमपुर, शाजापुर, मक्सी, को मेट्रोपोलिटन सिटी बनाएंगे। आने वाले समय में भोपाल, नर्मदापुरम, सीहोर, रायसेन, विदिशा को मिलाकर दूसरी मेट्रोपोलिटन सिटी बनाई जाएगी। बाद में ग्वालियर और जबलपुर की भी सूरत बदलेंगे। आज उज्जैन-बदनावर फोर लेन का लोकार्पण हो रहा है। इस मार्ग के माध्यम से भविष्य में गुजरात से मध्यप्रदेश कनेक्ट होगा। इस मार्ग के माध्यम से सोमनाथ, उज्जैन, ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग आपस में जुड़ेंगे। इस मार्ग से उज्जैन सिंहस्थ में भी बड़ी मदद मिलेगी।

मप्र के ज्यादातर जिलों में तेज लू और गर्मी का प्रकोप

रतलाम-धार और खंडवा में पारा 42 डिग्री के पार

इंदौर। मध्यप्रदेश के ज्यादातर जिलों में दिन का तापमान बढ़ता जा रहा है। अप्रैल का दूसरे हफ्ते से तेज लू और गर्मी का प्रकोप शुरू हो गया है। गुरुवार को धार और रतलाम सबसे गर्म रहे। धार में 42.3 डिग्री, रतलाम में 42.2 डिग्री और खंडवा में 42.1 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। अधिकतम तापमान भोपाल में 41.3 डिग्री, इंदौर में 40.3 डिग्री, ग्वालियर में 39.6 डिग्री, उज्जैन में 41 डिग्री और जबलपुर में 40.6 डिग्री सेल्सियस रहा। खंडवा में 42.1 डिग्री, गुना-नर्मदापुरम में पारा 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी तरह टीकमगढ़-दमोह में 41.8 डिग्री, सागर में 41.5 डिग्री, खरगोन-नौगांव में 41 डिग्री, मंडला में 40.8 डिग्री, सिवनी और शिवपुरी में पारा 40 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बढ़ते तापमान की वजह से हीट स्ट्रोक के मरीज लगातार अस्पतालों में पहुंच रहे हैं। जहां आम लोगों का जीना दूभर हो गया है तो यह भीषण गर्मी पशु-पक्षियों पर भारी पड़ रही है। इंदौर में 20 मोरों की मौत होने का मामला सामने आया है। हालांकि वन विभाग ने चार मोरों की मौत की ही पुष्टि की है। दरअसल प्यास व गर्मी से तड़प रहे मोर दम तोड़ रहे हैं। ऐसे में पक्षी प्रेमियों ने मैदान संभाल लिया है। पक्षी प्रेमी पार्कों में प्यास से बेहाल घूम रहे मोरों को बर्तन में पानी रखकर पिला रहे हैं। मोरों की मौत के बाद वन विभाग भी परेशान हैं। डीएफओ ने शहरी वन क्षेत्र में मोरों और अन्य प्राणियों के लिए पानी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं। साथ ही मोरों की मौत के मामले में जांच के आदेश दिए हैं। डीएफओ प्रदीप मिश्रा के मुताबिक अब तक अधिकृत तौर पर 4 मोरों की मौत हुई है। मौत की वजह डिहाइड्रेशन और हीट स्ट्रोक बताया गया है। हालांकि शिवपुरी में शाम को बादलों की गड़गड़ाहट के साथ बूंदाबांदी हुई।

बर्ड फ्लू से हो रही कौओं की मौत, रिपोर्ट में खुलासा, स्वास्थ्य विभाग ने गांव में लगाया कैम्प

शहडोल। शहडोल जिले के झीक बिजुरी क्षेत्र के मैरटोला करौदी में बीते कुछ दिनों से लगातार हो रही कौओं की मौत के मामले का खुलासा हो गया है। पशु एवं डेयरी विभाग द्वारा राज्य स्तर पर कराई गई जांच के बाद इसका कारण बर्ड फ्लू (एच 5 एन 1) बीमारी का होना सामने आया है। इसके बाद एहतियात के तौर पर जिले का स्वास्थ्य अमला सतर्क हो गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डाक्टर राजेश मिश्रा ने बताया कि जब शासन से इसकी जानकारी जिले के स्वास्थ्य विभाग तक पहुंची तो हमने तत्काल ही इसके लिए एक चिकित्सीय टीम का गठन कर उसे प्रभावित क्षेत्र झींक बिजुरी के लिए रवाना कर दिया है। तीन सदस्यीय चिकित्सीय टीम में जिला महामारी नियंत्रण अधिकारी डॉक्टर एसडी कंवर, जिला महामारी विशेषज्ञ डॉक्टर अंशुमन सोनारे, डॉक्टर सचिन कार्खुर के अलावा स्वास्थ्य विभाग के मोहम्मद अशरफ शामिल हैं। उक्त टीम द्वारा झींक बिजुरी के बिजुरी टोला समेत अन्य मोहल्ले में कैम्प लगाकर अब स्थानीय ग्रामीणों की स्क्रीनिंग की जा रही है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने साहित्यकार फणीश्वर नाथ रेणु को पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की

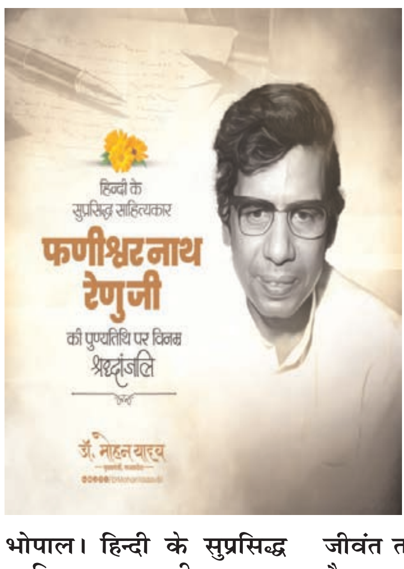

भोपाल। हिन्दी के सुप्रसिद्ध साहित्यकार फणीश्वर नाथ रेणु की आज शुक्रवार को पुण्यतिथि है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने उन्हें स्मरण कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है।

मुख्यमंत्री डॉ यादव ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा हिन्दी के सुप्रसिद्ध साहित्यकार फणीश्वर नाथ रेणु जी की पुण्यतिथि पर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ। आपकी रचनाओं में मानवीय संवेदनाओं और विचारों के उद्वेग के साथ तत्कालीन ग्रामीण भारत की जीवंत तस्वीर और सौंदर्य है। मैला आँचल, मारे गए गुलफाम, पंचलाइट जैसी अनेक रचनाएं साहित्य जगत को सर्वदा आलोकित करती रहेंगी।

अशोकनगर जिले के ईसागढ़ के आनंदपुर धाम में बैसाखी मेले से पहले पीएम का दौरा

अशोकनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक बार फिर ग्वालियर-चंबल के दौरे पर आ रहे हैं। पीएम मोदी शुक्रवार को अशोकनगर जिले की ईसागढ़ तहसील स्थित आनंदपुर धाम में होने वाले कार्यक्रम में शामिल होंगे। इस दौरान उनका ट्रांजिट स्टे ग्वालियर में रहेगा, जहां वे आने और जाने में दोनों बार सिर्फ 5-5 मिनट के लिए रुकेंगे। पीएम मोदी दोपहर 2 बजे ग्वालियर एयरफोर्स स्टेशन पर पहुंचेंगे और यहां से सेना के हेलिकॉप्टर से अशोकनगर के लिए रवाना होंगे। कार्यक्रम के बाद वे शाम करीब 6 बजे वापस ग्वालियर लौटेंगे और यहां से दिल्ली रवाना होंगे। दरअसल, ईसागढ़ तहसील स्थित आनंदपुर धाम में 12 अप्रैल से वार्षिक बैसाखी मेले का आयोजन शुरू हो रहा है। इसमें देश-विदेश के श्रद्धालु शामिल होंगे और आनंद सरोवर में स्नान कर गुरु महाराज के समक्ष मत्था टेकेंगे। बैसाखी मेले की शुरुआत से पहले 11 अप्रैल को पीएम नरेंद्र मोदी आनंदपुर धाम पहुंचेंगे और श्रद्धा निवेदन करेंगे। मेले की तैयारियों को लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बीडी शर्मा पहले ही निरीक्षण कर चुके हैं। प्रधानमंत्री मोदी की ट्रांजिट विजिट को लेकर शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जा रहे हैं। ट्रांजिट विजिट के दौरान ग्वालियर में नो-फ्लाइंग जोन रहेगा। एयरफोर्स स्टेशन से तीन किलोमीटर के दायरे में किसी भी तरह की हवाई गतिविधि पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। इसके लिए जिला प्रशासन, पुलिस और एयरफोर्स के बीच बैठके भी हुई है।

सेफ हाउस और पीएमओ यूनिट बनाई गई पीएम मोदी के लिए ग्वालियर एयरफोर्स स्टेशन पर ग्रीन रूम, सेफ हाउस और पीएमओ यूनिट तैयार की गई है। इन व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारिया सौंप दी गई हैं। तय कार्यक्रम के अनुसार, पीएम मोदी हेलिकॉप्टर से अशोकनगर जाएंगे। लेकिन, खराब मौसम होने की स्थिति में उनके लिए सड़क मार्ग का भी विकल्प तैयार किया गया है। सुरक्षा एजेंसियों ने रूट का निरीक्षण भी किया है, जिससे आपात हालात में सड़क मार्ग का इस्तेमाल किया जा सके।

पुलिस करती रही होटलों की जांच पीएम की ट्रांजिट विजिट को लेकर पुलिस पूरी तरह से अलर्ट पर है।

रथ पर सवार होकर निकले भगवान महावीर झांकियों में 'जल बचाओ' का संदेश

इंदौर। इंदौर समेत देशभर में गुरुवार को महावीर जयंती का पर्व पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर इंदौर सहित मध्यप्रदेश के प्रमुख शहरों और जैन तीर्थ स्थलों पर शोभायात्राओं का आयोजन किया गया। इन शोभायात्राओं में भगवान महावीर के जीवन दर्शन को प्रदर्शित किया गया और धार्मिक अनुष्ठान भी हुए। प्रदेश के पांच प्रमुख जैन तीर्थ स्थलों पर विशेष धार्मिक आयोजन किए गए, जिससे इस दिन का महत्व और भी बढ़ गया। सड़कों पर कहीं सोने तो कहीं चांदी के रथ के साथ भगवान महावीर की शोभा यात्राएं निकली गई। महावीर जयंती के मौके पर दिगंबर और श्वेतांबर समाज ने अपने-अपने तरीके से रथयात्रा का आयोजन किया। इंदौर में श्वेतांबर जैन समाज ने सुबह राजवाड़ा से रथयात्रा शुरू की। 108 युवाओं ने चांदी का रथ खींचा। रथयात्रा में भगवान महावीर के जीवन दर्शन पर आधारित तीन झांकियां प्रदर्शित की गई। इन झांकियों में 'जल बचाओ' जैसे महत्वपूर्ण संदेशों को भी दर्शाया गया। इसके अलावा, पंजाब और कर्नाटक की नृत्य मंडलियां भी इस यात्रा में सम्मिलित हुईं, जो माहौल को और भी रंगीन बना रही थीं। इंदौर में श्वेतांबर जैन महासंघ न्यास द्वारा आयोजित कार्यक्रम में सांसद शंकर लालवानी भी शामिल हुए। इस अवसर पर बच्चों ने विभिन्न प्रकार की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें नन्हे बच्चे भगवान महावीर के रथ के आसपास सुंदर प्रस्तुतियां देते हुए नजर आए। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में युवा और महिलाएं भी शामिल हुए, जिन्होंने इस धार्मिक आयोजन का हिस्सा बनकर इसका महत्व महसूस किया।

अवैध हथियारों के साथ होटल में रुके थे तस्कर, क्राइम ब्रांच के हत्थे चढ़े

इंदौर। इंदौर क्राइम ब्रांच ने कार्रवाई करते हुए अवैध फायर आर्म्स के साथ 2 आरोपियों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। आरोपियों के कब्जे से दो अवैध फायर आर्म्स (देसी पिस्टल) और 5 जिंदा कारतूस जब्त किए हैं। दरअसल इंदौर क्राइम ब्रांच को मुखबिर से सूचना मिली थी कि दो व्यक्ति अवैध हथियारों के साथ गंगवाल बस स्टैंड के पास स्थित रिद्धि सिद्धि होटल में रुके हुए हैं, सूचना पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच की टीम रिद्धि सिद्धि होटल पहुंची। जहां रूम नंबर 202 से आरोपी अमित कुमार और गोलू उर्फ शिवम सिंगोड़िया को पकड़ा गया। तलाशी लेने पर दोनों आरोपी के पास से देसी पिस्टल और 5 जिंदा कारतूस मिले जिसे आरोपी शिवम् के द्वारा सिकलीगरों से खरीदकर लाना बताया, वही आरोपी अमित से पूछताछ करने पर बैंक खाते में ऑनलाइन फ्रॉड के विभिन्न ट्रांजैक्शन करना बताया। पुलिस ने मौके से चेकबुक, डेबिट कार्ड भी जब्त किए हैं। जांच में पता चला कि आरोपी अमित होटल से ही ऑनलाइन फ्रॉड की राशि बैंक खातों में ट्रांसफर कर रहा था। क्राइम ब्रांच हथियारों की तस्करी करने वाले तीनों आरोपियों से पूछताछ कर रही है। क्राइम ब्रांच के डीसीपी राजेश त्रिपाठी ने बताया कि मुखबिर ने सूचना दी थी कि होटल में संदिग्ध लोग रुके हैं, जो हथियार खरीद और बेच रहे हैं। इसके लिए टीम तैयार की गई और होटल पर छापा मारा गया। होटल के कमरों की जांच में एक कमरे में अमित कुमार भोई मिला। अमित ने बताया कि उसने गोलू से पिस्टल और कारतूस खरीदे हैं। अमित होटल में पहले से रुका था। जबकि गोलू और शिवम उसे पिस्टल एवं कारतूस की डिलीवरी देने आए थे। मामले में पुलिस विस्तार से जांच कर रही है। उम्मीद की जा रही है कि आगे की जांच में कुछ और नाम सामने आएंगे। बता दें कि इंदौर क्राइम ब्रांच ने 4 दिन पहले एक बड़ी कार्रवाई करते हुए तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया था। आरोपियों के पास से तीन पिस्टल, दो देसी कट्टे, चाकू और दो से अधिक जिंदा कारतूस बरामद किए थे।

जीपीओ इलाके में लू लगने से चार मोरों की मौत, अन्य इलाकों में भी मौत का दावा

इंदौर। इंदौर के जीपीओ क्षेत्र में चार मोरों की मौत हो गई। लोगों ने जब मोरों को जमीन पर मृत अवस्था में देखा तो पशु चिकित्सालय को सूचना दी। इसके बाद विभाग की टीम आई और मोरों को पशु चिकित्सालय ले गई। वहां चारों मोरों का पोस्टमार्टम किया गया। डाक्टरों ने मौत की वजह बढ़ता तापमान और लू बताई है। इंदौर में अलग-अलग स्थानों पर पंद्रह हजार से अधिक मोर हैं। मिल एरिया के परिसर, भांग्या, कृषि कॉलेज क्षेत्र, रेसीडेंसी एरिया, मेघदूत, रालामंडल, पीटीएस, साकेत नगर में कई मोर परिवार बड़ी संख्या में पाए जाते हैं। रहवासियों को पहले लगा कि कुछ खाने की वजह से मोरों की मौत हुई है, लेकिन एक ही इलाके में चार मोर मृत मिले। चिड़ियाघर प्रभारी उत्तम यादव ने कहा कि उन्हें रहवासियों ने फोन पर मृत मोरों की जानकारी दी थी। हमारी टीम मोरों को प्राणी संग्रहालय के चिकित्सालय में लेकर आई। पोस्टमार्टम में हीटवेव की वजह से उनकी मौत होना पाया गया।

कालिंदी कुंज में भी मोरों की मौत शहर के कालिंदी कुंज में भी कुछ मोरों की मौत की जानकारी मिली है। रहवासियों ने बताया कि उनकी कॉलोनी में भी पांच मोर है, जिनकी तबीयत खराब हो गई थी। हमने उन्हें पानी पिलाया। इसके बाद पशु चिकित्सालय ले गए थे। उनमें से चार मोरों की मौत हो गई। पिछले साल भी गर्मी के दिनों में अलग-अलग स्थानों पर दस से ज्यादा मोरों की मौत हो चुकी थी। कालिंदी कुंज के रहवासी और रहवासी संघ के अध्यक्ष अजय जैन के मुताबिक हमारी कॉलोनी में पेड़ पर बैठे मोर दोपहर बाद गिरने लगे। रहवासियों ने उन्हें पानी पिलाया। हम तत्काल उपचार के लिए इन्हें पशु चिकित्सालय ले गए। इनमें से एक मोर को उपचार करके बचा लिया। लेकिन चार ने दम तोड़ दिया।

वन विभाग को नहीं मिली अन्य स्थानों से सूचना कालिंदी कुंज रहवासी संघ के अध्यक्ष अजय जैन के मुताबिक हमें खबर मिली है कि रेडियो कॉलोनी, रालामंडल में भी मोरों की मौत हुी है। मुझे पेट लवर्स से जानकारी मिली है कि दो दिन में रालामंडल में 20 से 25 और रेडियो कॉलोनी में 10 से 15 मोरों की मौत हुई है। वहीं ग्रामीण इलाकों से भी 5 से 10 मोर की मौत होने की जानकारी सामने आ रही है। पिछले साल भी हीट वेव चलने के दौरान 10 से 12 मोर की मौत हुई थी। दो दिन पहले बागली के लोगों से भी बात हुई थी, वहां भी कई पक्षी अधिक गर्मी के कारण उड़ते-उड़ते नीचे गिरे हैं। जैन के इस दावे को लेकर डीएफओ प्रदीप मिश्रा ने कहा कि हमें इस मामले में सूचना नहीं है। इसे रालामंडल सहित अन्य जगहों पर चैक कराया है। मीडिया में खबर आने के बाद मैंने पूरे वन अमले को एक बार फिर से वस्तु स्थिति जांचने के लिए कहा है।

लगातार 3 दिनों से तापमान 40 डिग्री पार डाक्टरों का कहना है कि गर्मी में पारा 40 डिग्री से ज्यादा हो चुका है। जिन इलाकों में मोर पाए जाते हैं। वहां रहवासी पानी में इलेक्ट्रॉल घोल कर रखें,क्योकि गर्मी में मोरों के शरीर में तेजी से वॉटर लॉस होता है। यदि समय पर शरीर में उसकी पूर्ति नहीं होती है तो फिर मौत के मामले बढ़ जाते हैं। बता दें कि इंदौर में लगातार 3 दिनों से दिन का तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक बना हुआ है, जो सामान्य से 3 डिग्री ज्यादा है। रातें भी काफी गर्म हैं। बीती रात न्यूनतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस से अधिक रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 7 डिग्री ज्यादा रहा। आज सुबह से धूप के साथ बीच-बीच में हल्के बादल छाने का सिलसिला जारी है और गर्मी का असर बना हुआ है। पिछले दो दिनों से स्थिति ऐसी है कि दिन में गर्म हवाओं के थपेड़े चल रहे हैं, जिनका असर दोपहर 12 से 4 बजे तक सबसे अधिक महसूस हो रहा है। बीती रात इस सीजन की अब तक की सबसे गर्म रात रही, जिसने लोगों को हलाकान कर दिया। बुधवार को अधिकतम तापमान 41.1 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से +3) और न्यूनतम तापमान 26.5 डिग्री सेल्सियस (सामान्य से +7) दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस समय वेस्टर्न डिस्टर्बेंस और ट्रफ सक्रिय हैं। अगले तीन दिन तक ऐसा ही मौसम बने रहने की संभावना है।

223 अनाथ बच्चो को नहीं मिल पाया बाल आशीर्वाद योजना का लाभ

बैंक वेरिफिकेशन रुका, मदद हुई वापस

इंदौर। लंबे समय से घोषित होने के बावजूद, अनाथ बच्चों को बाल आशीर्वाद योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा था। आखिरकार शासन ने हजारों बच्चों को चार करोड़ 48 लाख रुपए की राशि जारी की लेकिन इसमें भी 223 बच्चे मदद नहीं ले पाए। इस योजना के अंतर्गत हर माह चार हजार रुपए की राशि उन बच्चों को दी जाती है, जिन्होंने अपने पिता को खो दिया है। हालांकि, फंड की कमी के कारण यह राशि तीन से चार महीने तक रुकी रही थी, जिससे इन बच्चों को समय पर लाभ नहीं मिल सका। इंदौर जिले के 1173 बच्चों का नाम इस सूची में था, लेकिन 223 बच्चों के बैंक खातों का वेरिफिकेशन पूरा नहीं हो सका, जिसके कारण उन्हें यह राशि नहीं मिल पाई। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित बाल आशीर्वाद योजना में कई बच्चों के खाते में भुगतान नहीं हो पा रहा था। पिछले चार महीने से अधिक समय तक कई बच्चों को उनके खाते में भुगतान नहीं हुआ था, लेकिन वित्तीय वर्ष की समाप्ति के बाद अब इस राशि का भुगतान किया गया। यह राशि 1173 बच्चों के लिए थी, लेकिन 223 बच्चों के खातों में वेरिफिकेशन में समस्याएं आईं, जिसके कारण उन्हें यह राशि नहीं मिल सकी। इन बच्चों के खातों की डीबीटी प्रक्रिया पूरी न होने के कारण उन्हें इस फंड का लाभ नहीं मिल पाया, और यह पैसा शासन को वापस लौटाना पड़ा।

छह महीने से अटकी हुई थी राशि सरकार के नियमानुसार, यदि किसी विभाग को दी गई राशि वितरित नहीं होती है या निर्धारित योजनाओं में इस्तेमाल नहीं की जाती है, तो उसे वित्तीय वर्ष के अंत में शासन को वापस कर दिया जाता है। महिला एवं बाल विकास विभाग को लगभग एक करोड़ से अधिक की राशि शासन को लौटानी पड़ी, क्योंकि कई पालकों ने अपने बच्चों के खातों की डीबीटी प्रक्रिया पूरी नहीं कराई थी। विभाग ने सभी बच्चों की सूची तैयार कर भोपाल स्थित कार्यालय भेज दी लेकिन यह राशि छह महीने से अटकी हुई थी और मुश्किल से जारी की गई थी। अब इस राशि को दोबारा कब हस्तांतरित किया जाएगा, इस पर सवाल उठ रहे हैं।

क्या फिर से मिल पाएगा फंड? चूंकि नए शैक्षिक सत्र की शुरुआत हो चुकी है, इस फंड से बच्चों को काफी मदद मिल सकती थी, लेकिन ईकेवाईसी पूरी न होने के कारण 223 बच्चे इस लाभ से वंचित रह गए। शासन की तरफ से जारी किए गए फंड की राशि बच्चों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकती थी, विशेष रूप से उन बच्चों के लिए जिन्होंने अपने पिता को खो दिया है। हालांकि, अब तक यह प्रक्रिया अधूरी रह गई, और बच्चे इसका लाभ समय पर नहीं ले सके। अब देखने की बात यह होगी कि शासन इस राशि को कब दोबारा जारी करेगा और क्या इसके लिए कोई ठोस कदम उठाए जाएंगे।

27 अप्रैल को होगी एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव 80 से ज्यादा कंपनियां आएंगी

इंदौर। मध्यप्रदेश के संभागों में सरकार पहले रीजनल कॉन्क्लेव, फिर भोपाल में ग्लोबल इनवेस्टर्स समिट के बाद अब सेक्टर वाइज कॉन्क्लेव आयोजित करने जा रही है। इंदौर में 27 अप्रैल को इसी क्रम में आईटी कॉन्क्लेव होगी, जिसे सरकार ने एमपी टेक ग्रोथ कॉन्क्लेव-2025 नाम दिया है। इस आयोजन में 80 से ज्यादा कंपनियों के 300 से ज्यादा प्रतिनिधि शामिल होंगे। इसके अलावा एसडीडब्ल्यूएएन (नेटवर्क), ऑप्टिकल फाइबर (डिजिटल इन्फ्रा), सहित अन्य क्षेत्रों के उद्योगपति, नीति निमार्ता और निवेशक भाग लेंगे, जो राज्य में आईटी और इनसे जुड़े क्षेत्रों की प्रोग्रेस और स्कोप पर चर्चा करेंगे। इस दौरान आईटी-आईटीईएस, ईएसडीएम, सेमीकंडक्टर्स, एवीजीसी-एक्सआर, डेटा सेंटर्स, ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर्स (जीसीसी) और ड्रोन टेक्नोलॉजी जैसे क्षेत्रों में निवेश की प्रगति की समीक्षा की जाएगी। कॉन्क्लेव में प्रमुख उद्योग हस्तियों को एमपी ब्रांड एंबेसडर के रूप में सम्मानित किया जाएगा। जानकारी के मुताबिक इसमें बड़ी कंपनियां तो आएंगी ही, इंदौर में काम कर रही कंपनियों को भी विस्तार का मौका मिलेगा। आयोजन के तहत आईआईटी इंदौर दृष्टि सीपीएस फाउंडेशन का भूमिपूजन होगा। साथ ही एलटीआई माइंडट्री (आईटी/आईटीईएस), इंदौर सुपर कॉरिडोर कैंपस (इन्फ्रा), पीपीपी टॉवर इंदौर (इन्फ्रा), सीटीआरएलएस (डेटा सेंटर) और पंचशील (इन्फ्रा डेवलपर) जैसी परियोजनाओं का भूमिपूजन होगा। वहीं नए सेंटर्स ऑफ एक्सीलेंस, एवीजीसी-एक्सआर प्रयोगशालाएं और कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए एमओयू साइन होगा। आईटी पार्क प्लॉट अलॉटमेंट फॉर 12 कंपनीज (इन्फ्रा), केयनीस (ईएमसी) परियोजनाओं को लेटर्स ऑफ अलॉटमेंट सौंपे जाएंगे। सरकार 4 नई पॉलिसी भी जारी करेगी। कॉन्क्लेव में होने वाले एमओयू के बाद कुछ कंपनियों के सुपर कॉरिडोर पर आईटी क्षेत्र के लिए घोषित स्पेशल इकोनॉमिक जोन (आईटी सेज) की बची 40 एकड़ जमीन से ही आवंटन होगा। एमपीएसईडीसी ने इसके लिए आईडीए को इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के लिए पत्र भी लिख दिया है। दरअसल, साल 2011-12 में शासन ने आईटी कंपनी टीसीएस, इंफोसिस को जमीन दी थी।

राजस्व बढ़ाने के लिए एक लाख नई संपत्तियां खोजेगा नगर निगम

इंदौर। नगर निगम अब अपनी आय बढ़ाने के लिए पूरी तरह से जुटा हुआ है और इस दिशा में उसने एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष में पहली बार निगम ने एक हजार करोड़ रुपए से अधिक का राजस्व अर्जित किया है, जिसमें से आधी राशि सम्पत्ति कर से प्राप्त हुई है। हालांकि, अभी तक प्राधिकरण से राजस्व का पूरा हिसाब-किताब नहीं हो पाया है। यह आय नगर निगम के लिए एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित हुई है। नगर निगम ने राजस्व विभाग के माध्यम से जीआईएस सर्वे के टेंडर की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है। इस सर्वे का उद्देश्य एक लाख से अधिक नई सम्पत्तियों की पहचान करना है, जो अभी तक निगम के रिकॉर्ड में नहीं आई हैं। इसके अलावा, 29 गांवों के साथ-साथ शहर के कई पुराने और बड़े भूखंडों पर विगत दो-तीन वर्षों में कई बहुमंजिला इमारतों का निर्माण हुआ है। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इस प्रयास को नगर निगम को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया है।

मुख्यमंत्री और विभागीय मंत्री के साथ चर्चा महापौर पुष्यमित्र भार्गव का कहना है कि हम नगर निगम को आत्मनिर्भर बनाने के हरसंभव प्रयास कर रहे हैं। हाल ही में भोपाल में विभागीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के साथ महापौरों की एक बैठक हुई, जिसमें मुख्यमंत्री ने नगरीय निकायों को अपनी आय बढ़ाने और आत्मनिर्भर बनने के निर्देश दिए हैं। महापौर के अनुसार, इस वित्त वर्ष में नगर निगम राजस्व वसूली के नए रिकॉर्ड कायम करेगा, और निगम को उम्मीद है कि आने वाले समय में आय में और भी वृद्धि होगी।

सम्पत्ति कर वसूली में सख्ती हाल ही में समाप्त हुए वित्त वर्ष में आयुक्त शिवम वर्मा और राजस्व अमले ने बकायादारों के खिलाफ सख्ती से वसूली की। इसमें जब्ती, कुर्की और अन्य कड़ी कार्रवाई की गई है। नगर निगम के राजस्व विभाग के अनुसार, वर्तमान में कुल 6 लाख 80 हजार सम्पत्ति कर खाते हैं, जिसमें आवासीय, व्यवसायिक, औद्योगिक सहित सभी श्रेणियों की सम्पत्तियां शामिल हैं। हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में शहर में तेजी से आबादी बढ़ी है और नए निर्माण भी हुए हैं, खासकर कोविड के बाद, जिसके कारण निगम को उम्मीद है कि 1 लाख से अधिक सम्पत्तियां अब भी निगम के रिकॉर्ड में नहीं आई हैं। इन सम्पत्तियों से सम्पत्ति कर प्राप्त करने के लिए नगर निगम ने जीआईएस सर्वे कराने का निर्णय लिया है, जिसके टेंडर जल्द ही जारी किए जाएंगे।

मां की डांट से नाराज युवती ने लगा ली फांसी

इंदौर। इंदौर में एक युवती ने मां की डांट से नाराज होकर फांसी लगा ली। मां को युवती के देरी से उठने की आदत अच्छी नहीं लगती थी। इसी बात को लेकर उनसे डांटा था। जिसे युवती ने दिल पर ले लिया और फांसी लगाकर अपनी जान दे दी द्वारकापुरी क्षेत्र में रहने वाली युवती रेणुका को उसकी मां ने सुबह उठाया और देरी से उठने की आदत पर खूब डांटा। मां और बेटी को दूसरे दिन रिश्तेदार के यहां जाना था। दोपहर में रेणुका ने अपने कमरे में फांसी लगा ली। शाम को चचेरा भाई घर आया तो उसने युवती को फंदे पर लटके देखा और परिजनों को सूचना दी। परिजन युवती को अस्पताल ले गए। डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों ने बताया कि युवती को पढ़ाई का भी तनाव रहता था। पुलिस ने युवती का मोबाइल भी जब्त कर लिया है, ताकि यह पता चल सके कि मौत की वजह कुछ और तो नहीं है। इसके अलावा इंदौर के धीरज नगर क्षेत्र में भी एक किशोरी ने आत्महत्या कर ली। युवती जिस युवक को पसंद करती थी। उसकी शादी कही और तय होने वाली थी। इससे युवती तनाव में आ गई थी और उसने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली।

मेट्रो का कॉमर्शियल रन इसी महीने शुरू होने की उम्मीद

इंदौर। इंदौर मेट्रो का कॉमर्शियल रन इसी महीने होने का रास्ता साफ हो गया है। सीएमआरएस (कमिश्नर ऑफ मेट्रो रेलवे सेफ्टी) की टीम ने इंदौर मेट्रो को हरी झंडी दिखाते हुए अपनी ओके रिपोर्टर दे दी है। हालांकि मेट्रो प्रबंधन की तरफ से यह अभी तक नहीं बताया गया है कि कॉमर्शियल रन कब से शुरू किया जाएगा। सरकार के सूत्रों की मानें तो एमपी सरकार इस महीने ही कॉमर्शियल रन इंदौर में कराना चाहती है। मेट्रो में सफर करने वाले यात्रियों के लिए न्यूनतम किराया 20 रुपए तय किया गया है। बताया जा रहा है कि इंदौर मेट्रो के कॉमर्शियल रन को हरी झंडी दिखाने पीएम नरेंद्र मोदी आ सकते हैं, एमपी सरकार की मंशा है कि इस रन के शुरू होने के दौरान पीएम मोदी मौजूद रहें। वहीं मेट्रो अधिकारी इस पूरे मामले में अभी कुछ भी बोलने से बच रहे हैं।

इंदौर के लोगों के मेट्रो में सफर करने में अब कोई बाधा नहीं बची है। यात्रियों के लिए मेट्रो चलाने की मेट्रो प्रबंधन की पूरी तैयारी है। सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर के पांचों मेट्रो स्टेशन पर स्टाफ, टिकट काउंटर सहित अन्य इंतजाम भी हो चुके हैं। ऐसे में प्रदेश सरकार चाहेगी तो जल्द ही मेट्रो का कॉमर्शियल रन शुरू किया जा सकेगा। बता दें कि सीएमआरएस ने 24-25 मार्च को ही मेट्रो का तीसरा और अंतिम निरीक्षण किया था। फिलहाल सुपर कॉरिडोर पर गांधी नगर से टीसीएस चौराहा तक 6 किमी हिस्से में मेट्रो दौड़ेगी। सुपर प्रायोरिटी कॉरिडोर पर गांधीनगर स्टेशन, सुपर कॉरिडोर स्टेशन नंबर 3, 4, 5 और 6 कुल पांच स्टेशन आएंगे। इनमें इलेक्ट्रिकल सेक्शन, प्लेटफॉर्म, लिफ्ट, एस्कलेटर सहित सभी सुविधाएं जुटाई जा चुकी हैं। ट्रेन को न्यूनतम व अधिकतम गति से चलाकर देखा जा चुका है। इंदौर में येलो लाइन का प्रायोरिटी रूट कुल 5.9 किमी का है। इसमें 5 स्टेशन रहेंगे। कॉमर्शियल रन के दौरान हर स्टेशन पर मेट्रो सिर्फ 2 मिनट में पहुंचेगी। अभी पांच स्टेशन मेट्रो डिपो से लेकर सुपर कॉरिडोर स्टेशन नंबर 3 के आगे तक टेस्टिंग हो रही है

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ राजधानी में विरोध प्रदर्शन

आरिफ मसूद बोले- हम इस कानून को नहीं मानेंगे

भोपाल। राजधानी भोपाल में गुरुवार दोपहर 2 बजे से शाम 4 बजे तक मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के बैनर तले वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ धरना प्रदर्शन हुआ। प्रदर्शनकारियों ने कोई झंडा या बैनर नहीं लगाया और शांतिपूर्ण तरीके से बिल में किए गए बदलावों को खारिज करने की बात कही। कांग्रसे विधायक आरिफ मसूद ने कहा कि यह कानून वक्फ की रक्षा के लिए नहीं, बल्कि सरकार की संपत्तियां मुक्त कराने के लिए लाया गया है। इससे वक्फ बोर्ड को कोई लाभ नहीं मिलेगा। हम इसे मानने को तैयार नहीं हैं और इसका हर स्तर पर विरोध करेंगे। आरिफ मसूद ने बताया कि प्रदर्शन के बाद वे सुप्रीम कोर्ट का रुख भी करेंगे और उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

प्रदर्शन करने वालों को अपने फायदे की चिंता- सारंग वहीं, मंत्री विश्वास सारंग ने इस विरोध को स्वार्थ से प्रेरित बताया। उन्होंने कहा कि बिल से वही लोग परेशान हैं जिनकी दुकानें बंद हो जाएंगी। वे भोले-भाले मुस्लिम समाज को गुमराह करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन उनका यह प्रयास सफल नहीं होगा।

यह कानून गरीब मुसलमानों के हक में है- शर्मा भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि जिन्होंने वक्फ की जमीन पर दुकानें और शोरूम बना रखे हैं, वही सबसे ज्यादा शोर मचा रहे हैं। अब जब राष्टपति की मुहर लग गई है, तो ये लोग छाती पीट रहे हैं। यह कानून गरीब

मुसलमानों के हक में है। अब फायदा उन्हीं को मिलेगा, जो सच में हकदार हैं।

आरक्षण बनाम वरिष्ठता : मध्यप्रदेश में फिर गरमाया पदोन्नति का मुद्दा

उच्च न्यायालय के निर्णय से डगमगाया भविष्य, सर्वोच्च न्यायालय के अंतिम फैसले पर टिकी निगाहें

वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति की मांग तेज, सरकार पर सभी वर्गों के हित साधने का दबाव

भोपाल। मध्य प्रदेश में जहां एक ओर अधिकारियों और कर्मचारियों को पदोन्नति देने की तैयारियां चल रही हैं, वहीं दूसरी ओर अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) वर्ग के हजारों कर्मचारियों पर पदावनति की तलवार लटक रही है। यह वे कर्मचारी हैं, जिन्हें वर्ष 2002 में बनाए गए पदोन्नति में आरक्षण नियम के तहत उच्च पद प्रदान किए गए थे। हालांकि, अप्रैल 2016 में उच्च न्यायालय ने इन नियमों को निरस्त कर दिया था, जिससे इन पदोन्नतियों की वैधता पर सवाल उठ गए। सरकार इस निर्णय के विरुद्ध सर्वोच्च न्यायालय पहुंची, जहाँ यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश तो हैं, लेकिन अंतिम निर्णय आने तक एससी-एसटी कर्मचारियों का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है।

पदोन्नति में आरक्षण का इतिहास वर्ष 2002 में तत्कालीन सरकार ने अनुसूचित वर्ग के कर्मचारियों को पदोन्नति में आरक्षण देने हेतु नियम बनाए थे, जिसके आधार पर 2016 तक हजारों कर्मचारियों को उच्च पद प्राप्त हुए। इससे एससी-एसटी वर्ग के कर्मचारी लगातार वरिष्ठ पदों तक पहुँचते गए। वहीं, सामान्य और अन्य पिछड़ा वर्ग के कई वरिष्ठ कर्मचारी पीछे छूट गए, जिससे असंतोष बढ़ा और मामला उच्च न्यायालय पहुंचा। न्यायालय ने सभी तथ्यों के परीक्षण के बाद नियम को अमान्य घोषित कर दिया, जिससे प्रभावित कर्मचारियों की पदावनति की स्थिति उत्पन्न हो गई।

सर्वोच्च न्यायालय का दृष्टिकोण सर्वोच्च न्यायालय ने यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए हैं, जिससे इन कर्मचारियों की वर्तमान स्थिति अस्थायी रूप से सुरक्षित है। किंतु यह स्थिति न्यायालय के अंतिम निर्णय पर निर्भर करती है। कई विभागों में हाल ही में की गई पदोन्नतियों में यह उल्लेख किया गया है कि वे न्यायालय के निर्णय के अधीन रहेंगी।

सपाक्स की मांग- सभी वर्गों के हितों की रक्षा हो सामान्य, पिछड़ा एवं अल्पसंख्यक वर्ग अधिकारी-कर्मचारी संस्था (सपाक्स) के अध्यक्ष केपीएस तोमर ने कहा कि 2002 के नियमों से अनारक्षित और ओबीसी वर्ग के कर्मचारियों के साथ अन्याय हुआ। उनका तर्क है कि अनुसूचित वर्ग के कर्मचारियों ने योग्यता के आधार पर भी पद पाए और आरक्षित पदों का लाभ भी लिया, जिससे उन्हें दोहरा लाभ मिला। तोमर ने सर्वोच्च न्यायालय के नागराज प्रकरण का हवाला देते हुए कहा कि पदोन्नति में प्रतिनिधित्व और दक्षता का संतुलन आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और बिहार जैसे राज्यों में आरक्षण समाप्त कर वरिष्ठता के आधार पर पदोन्नति की व्यवस्था लागू की गई है।

सरकार की नई रणनीति सरकार पदोन्नति की प्रक्रिया को संतुलित बनाने के लिए नए नियम लाने की तैयारी में है। लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि यदि पुन: 36 प्रतिशत एससी-एसटी और 64 प्रतिशत अनारक्षित पदों का फार्मूला लागू किया गया, तो यह विवाद और गहराएगा। सपाक्स सहित अन्य कर्मचारी संगठन मांग कर रहे हैं कि सभी वर्गों के साथ न्याय हो और पदोन्नति का आधार केवल आरक्षण न होकर वरिष्ठता और कार्यक्षमता हो।

अखिल भारतीय सेवा जैसी व्यवस्था की मांग कई कर्मचारी चाहते हैं कि पदोन्नति की प्रक्रिया अखिल भारतीय सेवा की तर्ज पर लागू हो, जिसमें निश्चित समय के बाद गोपनीय चरित्रावली और कार्य प्रदर्शन के आधार पर उच्च वेतनमान प्रदान किया जाता है। यदि किसी का प्रदर्शन औसत से कम होता है, तो उसे पदोन्नति नहीं मिलती। मध्य प्रदेश में राज्य और वित्त सेवा में ऐसी व्यवस्था पहले से लागू है, जिसे अब सभी विभागों में लागू करने की मांग उठ रही है, ताकि वास्तविक कार्यकुशलता को प्राथमिकता मिल सके।

जमीन पर बैठ भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

भोपाल। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष और खजुराहो सांसद वीडी शर्मा ने गुरुवार को 'बस्ती गांव चले अभियान' के तहत कटनी जिले के घगरी कलां गांव का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने आदिवासी बस्ती में चौपाल लगाई, जहां वह जमीन पर बैठकर ग्रामीणों के साथ बातचीत की। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विभिन्न योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, स्ट्रीट वेंडर योजना और उज्जवला योजना के बारे में ग्रामीणों से विस्तार से जानकारी ली और उन्हें लाभ उठाने को कहा।

ग्रामीणों ने चौपाल के दौरान अपनी समस्याएं भी रखीं। खासकर पानी की गंभीर समस्या को लेकर उन्होंने शिकायत की। इस पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा ने मौके पर ही पीएचई विभाग के अधिकारियों से फोन पर बात की और उन्हें तत्काल पानी की समस्या को हल करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गर्मियों में किसी भी गांव में पानी की समस्या नहीं होनी चाहिए। साथ ही, उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जल्द ही उनकी टीम गांव का निरीक्षण कर स्थिति का जायजा ले और समस्या का निराकरण करें।

साथ ही, गांव के लोगों ने अवैध शराब की बिक्री जैसी अनैतिक गतिविधियों की शिकायत भी की। इस पर शर्मा ने मौके पर ही थाना प्रभारी को सख्त हिदायत दी और कहा कि यहां भाजपा की सरकार है, जहां इस प्रकार की गतिविधियों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि किसी भी अधिकारी ने जनता के कामों में लापरवाही या कोताही बरती, तो उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

एमपी में गेहूं उपार्जन के लिए 15.33 लाख किसानों ने कराया रजिस्ट्रेशन, 5027 करोड़ का अब तक भुगतान

भोपाल। मध्य प्रदेश में सरकार समर्थन मूल्य पर गेहूं की खरीदी कर रही है। प्रदेश भर में 20 जनवरी से 9 अप्रैल तक 15.33 लाख किसानों ने रजिस्ट्रेशन कराया है और 26.73 लाख मीट्रिक टन गेहूं का उपार्जन हो चुका है। इस पर राज्य सरकार द्वारा 5027 करोड़ का भुगतान किया जा चुका है। खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविन्द सिंह राजपूत ने बताया कि 15 मार्च से 5 मई 2025 तक चलने वाले उपार्जन सीजन के लिए राज्य में 3,528 उपार्जन केंद्र स्थापित किए गए हैं। किसानों को प्रति क्विंटल 2,425 समर्थन मूल्य के साथ 175 बोनस मिलाकर कुल 2,600 प्रति क्विंटल की दर से भुगतान किया जा रहा है। अब तक 3.09 लाख किसानों से गेहूं खरीदा गया है, जिसमें से 24.44 लाख मीट्रिक टन का परिवहन और 21.86 लाख मीट्रिक टन का सुरक्षित भंडारण किया जा चुका है।मंत्री राजपूत ने कहा कि शेष भुगतान भी 3 से 5 कार्य दिवसों के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने यह भी जोड़ा कि प्रदेश सरकार किसानों को समय पर उचित मूल्य देने और उपार्जन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। किसानों के हितों को प्राथमिकता दी जा रही है और खरीदी व्यवस्था को सरल एवं व्यवस्थित बनाने के प्रयास लगातार जारी हैं।

महावीर जयंती पर सीएम डॉ. यादव ने दी शुभकामनाएं, बोले-

भगवान महावीर ने संसार को जियो और जीने दो का सन्मार्ग दिखाया

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर को याद करते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन मानवता के उच्च आदर्शों का प्रतीक है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर उन्होंने भगवान महावीर के आदर्शों को आत्मसात करने का आह्वान करते हुए कहा कि उनका जीवन और उपदेश आज भी मानवता के लिए प्रेरणास्रोत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान महावीर का संपूर्ण जीवन अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे महान सिद्धांतों का प्रतीक है। उन्होंने न केवल इन सिद्धांतों का पालन किया, बल्कि समाज को भी इन्हें अपनाने की राह दिखाई। मुख्यमंत्री कहा कि संसार को %जियो और जीने दो% का सन्मार्ग दिखाने वाले भगवान महावीर के उपदेश सभ्य समाज के निर्माण के लिए आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं, जितने तब थे। उनका जीवन दर्शन केवल धार्मिक ही नहीं, बल्कि सामाजिक एवं नैतिक दृष्टिकोण से भी मानव जीवन को दिशा देने वाला है।

मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि वे इस पावन अवसर पर भगवान महावीर के सिद्धांतों को जीवन में अपनाएं। अहिंसा व सत्य के मार्ग पर चलकर समाज में शांति, सद्भाव और भाईचारे को सुदृढ़ करें और हम सब हर्षोल्लास से महावीर जयंती मनाएं।

सीएम ने कहा कि भगवान महावीर का जीवन अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह जैसे सिद्धांतों का जीवंत उदाहरण है। उन्होंने इन मूल्यों को न केवल जिया, बल्कि समाज को भी इनका पालन करने की राह दिखाई। अपने आधिकारिक संदेश में डॉ. यादव ने कहा कि भगवान महावीर द्वारा दिया गया ‰जियो और जीने दो‰ का सन्देश आज भी सभ्य, शांतिपूर्ण और समरस समाज के निर्माण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से अपील करते हुए कहा कि इस पावन अवसर पर हम सभी को उनके आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि अहिंसा और सत्य के मार्ग पर चलकर ही समाज में सच्चे अर्थों में शांति और भाईचारा स्थापित किया जा सकता है।

मध्यप्रदेश राज्य सूचना आयुक्त को चाहिए मुफ्त बिजली, सरकार का इनकार

भोपाल। राज्य के शीर्ष पदों पर बैठे जनप्रतिनिधि जहां सरकारी खर्च से मिलने वाली सुविधाओं को खुद वहन करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, वहीं राज्य सूचना आयोग में पदस्थ एक आयुक्त ने अपने निजी बिजली बिल का भुगतान भी सरकार से करवाने की मांग कर दी। हालांकि, सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने इस मांग को नियमों के विपरीत बताते हुए स्पष्ट रूप से इंकार कर दिया है। हाल ही में राज्य सूचना आयोग में नियुक्त सूचना आयुक्त ओंकार नाथ ने आयोग के सचिव राजेश ओगरे से आग्रह किया कि उनके आवास का बिजली बिल सरकार वहन करे। इस पर सचिव ने मार्गदर्शन के लिए मामला सामान्य प्रशासन विभाग को भेजा। जीएडी ने 15 मार्च 2024 के विधि और विधायी कार्य विभाग के राजपत्र का हवाला देते हुए स्पष्ट किया कि इस प्रकार की सुविधा न्यायिक या संवैधानिक पदों के लिए भी निर्धारित नहीं है। ऐसे में सूचना आयुक्त के बिजली बिलों का भुगतान सरकारी खजाने से नहीं किया जा सकता। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने कार्यकाल की शुरुआत में ही पूर्ववर्ती व्यवस्था को समाप्त करते हुए यह निर्णय लिया था कि मुख्यमंत्री, मंत्री और विधानसभा अध्यक्षों का आयकर अब सरकारी खजाने से नहीं, बल्कि वे स्वयं भरेंगे। उनके इस निर्णय के बाद न केवल मंत्रियों, बल्कि

विधानसभा अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष ने भी आयकर स्वयं भरने का निर्णय लिया। बाद में इस आशय का राजपत्र में नोटिफिकेशन भी जारी किया गया।

ग्रामीण क्षेत्र में निजी भूमि से पेड़ काटने की अब ऑनलाइन मिलेगी अनुमति

भोपाल। मध्य प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में निजी भूमि पर पेड़ काटने की अनुमति अब आनलाइन दी जाएगी। अभी तक सरपंच को इसके अधिकार थे। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने सरपंचों के इस अधिकार को वापस लेकर स्थगित कर अनुमति की प्रक्रिया ऑनलाइन कर दी है। पंचायतराज संचालक छोटे सिंह ने सभी जिला कलेक्टरों को परिपत्र भेजकर कहा है कि अब

ग्रामीणों की निजी भूमि पर पेड़ों की कटाई की अनुज्ञा संबंधी प्रक्रिया पंचायत दर्पण पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन की जाएगी। वर्तमान अप्रैल माह से किसी भी प्रकार का सरपंच द्वारा जारी किया गया ऑफलाइन अनुज्ञा पत्र मान्य नहीं होगा। आवेदन पत्र की प्रविष्टि एवं स्वीकृति की प्रक्रिया से पंचायत के पदाधिकारियों, सचिव, पटवारी, राजस्व निरीक्षक, ग्राम रोजगार सहायक, उपयंत्री एवं अन्य मैदानी कर्मचारियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा और इस कार्य की प्रभावी निगरानी की जाएगी। 13 जनवरी 2023 में इसके लिए पटवारी की रिपोर्ट पर ग्राम पंचायत को अधिकृत किया गया था। बता दें कि इससे पहले ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीणों की निजी भूमि पर पेड़ कटाई की अनुमति देने का अधिकार ग्राम पंचायत के सरपंच को दिया गया था। राजस्व विभाग के राजपत्र के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्र में पेड़ों को काटे जाने के लिए पटवारी की रिपोर्ट पर ग्राम पंचायत को अधिकृत किया गया था।

भोपाल के अस्पताल में एक महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया, डॉक्टर भी रह गए हैरान

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है, जिसने न सिर्फ लोगों को बल्कि अस्पताल के डॉक्टरों को भी चौंका दिया है। शहर के कैलाशनाथ काटजू अस्पताल में एक महिला ने एक साथ चार बच्चों को जन्म दिया। जिसमें दो लड़के और दो लड़कियां है। अस्पताल प्रशासन के अनुसार यह मामला उनके लिए अभूतपूर्व है, क्योंकि इस अस्पताल के इतिहास में पहली बार किसी महिला ने एक साथ

चार बच्चों को जन्म दिया है। इससे पहले, पिछले वर्ष एक महिला ने तीन बच्चों को जन्म दिया था, लेकिन इस बार की घटना इससे भी ज्यादा खास और जटिल मानी जा रही है। डॉक्टरों ने जानकारी दी कि महिला की डिलीवरी गर्भावस्था के सातवें महीने में की गई, जो कि समय से पहले है। ऑपरेशन के जरिए चारों शिशुओं को सुरक्षित जन्म दिलाया गया। सभी नवजात शिशुओं का वजन 800 ग्राम से 1 किलोग्राम के बीच है, जो सामान्य वजन से कम है। इसी कारण, फिलहाल उन्हें आईसीयू में विशेष निगरानी में रखा गया है। मेडिकल टीम लगातार बच्चों की स्थिति पर नजर बनाए हुए है। डॉक्टरों का कहना है कि इस तरह के मामलों में विशेष देखभाल की आवश्यकता होती है, लेकिन उन्होंने उम्मीद जताई है कि यदि सब कुछ ठीक रहा तो आने वाले दिनों में बच्चों की हालत में सुधार हो सकता है।

'हिंदू ग्राम' और 'हिंदू राष्ट्र' पर गुंथी सवालों की डोर

मप्र के छतरपुर जिले के गढ़ा ग्राम स्थित बागेश्वर धाम के स्वयंभू पीठाधीश पं. धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने अपने इलाके में 'पहला हिंदू ग्राम' बसाने का ऐलान कर नई बहस को हवा दे दी है। 29 वर्षीय संत बागेश्वर धाम खुद को कट्टर हिंदू के रूप में प्रस्तुत करते रहे हैं और पिछले माह उनके बागेश्वर धाम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें अपना 'छोटा भाई' बताकर उनका का राजनीतिक सिंहासन भी ऊंचा कर दिया है। बाबा बागेश्वर जनरेशन जेड के हिंदू बाबा हैं। इसलिए उनके विचार, प्रस्तुति, अभिव्यक्ति भी वर्सटाइल है। वो नई प्रौद्योगिकी से भी वाकिफ हैं और क्रिकेट भी खेलते हैं। उनका दावा है कि उन्हें दिव्य सिद्धी प्राप्त है। वे अपने आराध्य बालाजी (हनुमानजी) की कथा सुनाते हैं। साथ में समकालीन राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक मुद्दों पर भी विवादित टिप्पणियां कर हेडलाइन भी 'मैनेज' करते रहते हैं।

बाबा अपना दरबार लगाते हैं, जहां पीड़ितों की अर्जी पर सुनवाई होती है। कहा जाता है कि बाबा पर्ची के आधार पर लोगों का भूत और भविष्य बता देते हैं। बाबा बागेश्वर के अनुयायियों की संख्या लाखों में हैं, जिनमें ज्यादातर हिंदू ही हैं। बाबा की यही फैन फालोइंग राजनेताओं के लिए पॉलिटिकल मटेरियल भी है। लेकिन बाबा सीधे तौर पर किसी पार्टी या संगठन में नहीं हैं।

बहुतों का मानना है कि बाबा में दिव्य शक्ति हो न हो, लेकिन उनका सार्वजनिक आचरण, अभिव्यक्ति और कार्यशैली ऐसी है, जो हिंदुत्ववादियों के अनुकूल है। कई बार तो ऐसा लगता है कि उन्होंने भाजपा की अघोषित फ्रेंचाइजी ले रखी है। वे भारत को कट्टर हिंदू राष्ट्र बनाने और सभी हिंदुओं को एक होने के साथ साथ जात-पात मिटाने जैसी प्रगतिशील बात भी करते हैं। बहरहाल, बाबा बागेश्वर द्वारा अपने धाम के नजदीक एक हिंदू ग्राम बसाने के ऐलान का कई साधु संतों ने स्वागत किया है।

समझा जा रहा है कि यही हिंदू ग्राम भविष्य के हिंदू राष्ट्र की आधार शिला होगा। यहां एक हजार हिंदुओं को बसाने का प्लान है। बाबा ने इसका भूमि पूजन भी किया। यह हिंदू ग्राम दो साल में बनकर तैयार होगा। इस बारे में बाबा का तर्क बहुत सीधा है। कई हिंदू ग्रामों से मिलकर हिंदू जिले बनेंगे। हिंदू जिलो से हिंदू प्रांत और हिंदू प्रांतों का देश हिंदू राष्ट्र होगा। अगर ऐसा होता है तो इससे अच्छी बात क्या हो सकती है कि सारा देश हिंदू और वो भी सनातनी हिंदू बन जाए। बाकी के लोग, जिनमें गैर सनातनी हिंदू और गैर हिंदू देश में रहे ही नहीं। बाबा की यह कल्पना आरएसएस की सामाजिक समरसता वाले हिंदू राष्ट्र की कल्पना से अलग है। दूसरे, भारत जैसे बहुसांस्कृतिक, बहुभाषी और बहुजातीय देश में क्या सचमुच कोई ठेठ हिंदू ग्राम, जिला या राष्ट्र व्यावहारिक रूप से संभव है? क्योंकि ऐसा देश शुद्ध देसी घी की तरह भारत तो क्या, पाकिस्तान और सऊदी अरब तक नहीं बन सका है, वो भी अपने यहां से सभी गैर सुन्नी और गैर मुसलमानों को भी बेदखल नहीं कर पाए हैं।

जहां तक बाबा बागेश्वर का इसके पहले हिंदू ग्राम होने का दावा है तो सही इसलिए नहीं है, क्योंकि गुजरात यहां भी बाजी मार चुका है। क्योंकि केंद्र शासित प्रदेश दीव से गुजरात के ऊना के बीच कई गावों में बोर्ड लगे हैं कि 'हिंदू राष्ट्रनुं गांव मा आपनुं हार्दिक स्वागत करे छे।' (हिंदू राष्ट्र के गांव में आपका हार्दिक स्वागत है) । ये बोर्ड इन गावों के युवाओं ने लगाएं हैं। ऐसे ही एक गांव देलवाडा के लोगों का कहना है कि भारत हिंदू राष्ट्र बने, न बने, उन्होंने तो अपने गांव को हिंदू गांव घोषित कर दिया है। हालांकि, इस गांव में एक चौथाई आबादी मुसलमानों की भी है।

मुसलमानों का कहना है कि हिंदू राष्ट्र के बोर्ड से उन्हें कोई परेशानी नहीं है। वो यहीं रह रहे हैं आगे भी रहेंगे। देलवाडा के पास समुद्र किनारे एक और गांव ओलवान है। यहां भी 'हिंदू राष्ट्र' का बोर्ड लगा है। यहां कोई मुसलमान नहीं रहता। अलबत्ता यहां के हिंदू ग्रामीणों का विश्वास है कि भारत अगले पांच सालों में हिंदू राष्ट्र बन जाएगा। गांव में हजरत पीर का कोठा (दरगाह) भी है, जिस पर हिंदू भी मन्नत मानते हैं। ऐसे में गांव को हिंदू राष्ट्र लिखने का क्या मतलब है? इस सवाल का जवाब मिलता है कि हमे हिंदू होने पर गर्व है, इसलिए। ऐसा ही एक और गांव है पालडी। इस पर भी हिंदू राष्ट्र का बोर्ड लगा है। यहां सभी हिंदू ही रहते हैं।

वैसे बाबा का जो प्लान है, उसमें जमीन ही सनातनी हिंदुओं को उपलब्ध कराई जाएगी। मकान हिंदुओं को अपने खर्चे से बनाना होगा। हिंदू धर्म की रक्षा के लिए इतनी कीमत तो चुकानी ही होगी। यह हिंदू ग्राम फ्लैट सिस्टम वाला होगा। जिसमें ग्राउंड फ्लोर 17 लाख, फर्स्ट फ्लोर 16 लाख तथा सेकंड फ्लोर 15 लाख रुपर में मिलेगा। 5 लाख रुपए एडवांस देने होंगे। पहले चरण में 50 मकान देने की बात है। मकान निर्माण बागेश्वर धाम जनसेवा समिति कराएगी। हालांकि, इससे यह संदेश जाने का खतरा भी है कि यह यह हिंदू ग्राम विकास है या प्रोफेशनल कॉलोनाइजिंग? इस संदर्भ में बाबा बागेश्वर का कहना है कि यह मकान बेचने या खरीदने के लिए नहीं होंगे। यानी इन्हें इन्वेस्टमेंट के उद्देश्य से नहीं खरीदा जा सकता। कुछ लोगों का मानना है कि अगर बाबा बागेश्वर हिंदू और सनातन धर्म के लिए इतना कुछ कर रहे हैं तो उनके विरोधियों के पेट में दर्द क्यों होना चाहिए? बात सही भी है। अगर कुछ बस्तियों, नगरों, जिलों, प्रांतो के नाम हिंदू होने से देश हिंदू राष्ट्र बन सके तो हिंदू राष्ट्र बनाने का इससे किफायती तरीका दूसरा हो नहीं सकता। वैसे बाबा ने यह भी कहा है कि इस हिंदू ग्राम में सनातनी और वैदिक धर्म को मानने वाले हिंदू ही रह सकेंगे। मुमकिन है आगे चलकर इस पर भी विवाद हो कि गैर सनातनी हिंदू जैसे कि आर्य समाजी, कबीरपंथी, ब्रह्म समाजी, राधास्वामी सत्संग, रविदासी पंथी आदि भी हिंदू ग्राम में रहना चाहें तो क्या उन्हें इजाजत मिलेगी?

वैसे दुनिया में धर्म के आधार पर किसी कॉलोनी, नगर, प्रांत और देश का नामकरण अपवाद स्वरूप ही हुआ है। अगर शहर की बात करें तो दुनिया में शायद दो ही उदाहरण मिलेंगे। एक था 'इस्लाम नगर', जो भोपाल रियासत की पुरानी राजधानी था और अब एक खंडहर है। दूसरा है इस्लामाबाद, जिसे इस्लाम के नाम पर ही बसाया गया और जिस देश पाकिस्तान की वह राजधानी है, उसका आज क्या हाल है, सबको पता है। और तो और जिन स्थानों पर किसी विशिष्ट धर्म वालों को ही रहने या प्रवेश की इजाजत है, उनके नाम भी सम्बन्धित धर्म के नाम पर नहीं हैं। मसलन मुसलमानों का सबसे पवित्र स्थल मक्का में गैर मुसलमानों का प्रवेश पूरी तरह वर्जित है, लेकिन उसका नामकरण इस्लाम पर नहीं है।

इसी तरह कैथोलिक ईसाइयों के सबसे पावन शहर वेटिकन सिटी में गैर कैथोलिको को रहने की अनुमति नहीं है। बावजूद इसके इस शहर का नाम किसी ने ईसा या क्रिश्चियन सिटी नहीं रखा। सिखों की पवित्र नगरी अमृतसर का नाम भी सिख नगर नहीं है। क्योंकि धर्म के आधार पर नाम रखने से उस धर्म की परंपराओं, दर्शन और कर्मकांडों का शास्त्रोक्त पालन हो, यह जरूरी नहीं है। अगर ऐसा नहीं होता और वह व्यावहारिक रूप से संभव होता भी नहीं है तो उस धर्म की पवित्रता पर ही प्रश्नचिन्ह लगने लगता है, जोकि सही नहीं है।

रहा सवाल बाबा की राजनीतिक उपयोगिता का तो बाबा के प्रभाव की असली सियासी टेस्टिंग बिहार चुनाव में होनी है। बाबा को वहां धुर हिंदू मुस्लिम ध्रुवीकरण के काम में लगाया गया है। घोर जातिवाद से ग्रस्त बिहार में अगर वहां भाजपा अपने दम पर सरकार बनाने में कामयाब रही तो बाबा का सियासी ग्राफ भी ऊपर जाएगा। वो मप्र के 'योगी आदित्यनाथ' भी हो सकते हैं। लेकिन नतीजा कुछ और आया तो बाबा की हिंदू राष्ट्र की उड़ान बागेश्वर के हिंदू ग्राम तक भी सिमट सकती है।

यूं बाबा बागेश्वर की इस हिंदू ग्राम की घोषणा से सियासी घमासान भी शुरू हो गया है। भाजपा विधायक रामेश्वर शर्मा ने बाबा की योजना का दिल खोलकर स्वागत किया है तो मप्र कांग्रेस प्रवक्ता हाफिज अब्बास ने सवाल किया कि अगर कल को मुसलमान भी अलग मुस्लिम ग्राम बनाने की इजाजत मांगेंगे तो क्या सरकार देगी? कल को संविधान के सर्व धर्म समभाव के आधारभूत सिद्धांत के आधार पर हर धर्मावलंबी अपने धर्मों के हिसाब से अलग शहर बसाने लगेंगे तो फिर हिंदू राष्ट्र का क्या होगा? और अगर सरकार बाबा बागेश्वर जैसे लोगों को ही शहर बसाने की अनुमति देती है तो 'सबका साथ' का क्या होगा?

यूं अभी भी धर्म विशेष, सम्प्रदाय बहुल तथा एक ही समुदाय की कुछ कॉलोनियां अस्तित्व में हैं। लेकिन उनका नामकरण अकसर उनके आराध्यों, महापुरूषों अथवा क्षेत्रीय या जातीय पहचान के आधार पर ही होता है। केवल गांव का नाम हिंदू कर देने से हिंदू राष्ट्र कैसे बन जाएगा, यह समझना मुश्किल है। हिंदू समाज भी तभी एकजुट होगा, जब वह जातीय विद्वेष और ऊंच नीच के दुराग्रह से मुक्त होगा। इसके लिए हिंदू बस्ती से ज्यादा बड़े दिल की जरूरत है।

संपादकीय

व्यापार युद्ध के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था करेगी अच्छा प्रदर्शन !

फाइनेंस सर्विस कंपनी मूडीज एनालिटिक्स ने 2025 के लिए भारत की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.1 प्रतिशत कर दिया है। मूडीज ने यह कदम अमेरिका के जवाबी शुल्क से जुड़े जोखिमों को देखते हुए उठाया है। मूडीज ने कहा कि अमेरिका भारत के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक है, इसलिए भारतीय वस्तुओं के आयात पर 26 प्रतिशत शुल्क लगाने से व्यापार संतुलन पर भारी असर पड़ेगा। मूडीज एनालिटिक्स की रिपोर्ट 'एपीएसी आउटलुक- यू.एस. वर्सेज देम' में कहा गया है कि हमने भारत के 2025 में जीडीपी वृद्धि दर के अनुमान को मार्च के 6.4 प्रतिशत से संशोधित कर 6.1 प्रतिशत कर दिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि रत्न एवं आभूषण, चिकित्सा उपकरण और कपड़ा उद्योग सबसे बुरी तरह प्रभावित होंगे। मूडीज एनालिटिक्स ने कहा कि फिर भी हम उम्मीद करते हैं कि समग्र वृद्धि इस झटके से अपेक्षाकृत अछूता रहेगी क्योंकि बाहरी मांग जीडीपी का अपेक्षाकृत काफी छोटा हिस्सा है। मूडीज ने कहा कि चूंकि सकल मुद्रास्फीति में अच्छी गति से कमी आ रही है, इसलिए हम उम्मीद करते हैं कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की जो कटौती है उससे वर्ष के अंत तक नीतिगत दर 5.75 प्रतिशत रह जाएगी। वहीं इसी वर्ष घोषित कर प्रोत्साहनों से घरेलू अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा और अन्य कमजोर अर्थव्यवस्थाओं की तुलना में समग्र वृद्धि पर शुल्क के झटके को कम करने में मदद मिलेगी।

बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को 75 देशों पर नौ अप्रैल से लागू होने वाले जवाबी शुल्क को 90 दिन के लिए टाल दिया है। हालांकि, अमेरिका ने चीनी आयात पर कर की दर को तुरंत प्रभाव से बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया है। हालांकि, पांच अप्रैल से लागू 10 प्रतिशत का उच्च शुल्क जारी रहेगा। भारत के मामले में, अमेरिका को निर्यात के लिए चुकाए जाने वाले 26 प्रतिशत के अतिरिक्त शुल्क को 90 दिन के लिए रोक दिया गया है।

भारत के मामले में, अमेरिका को निर्यात के लिए चुकाए जाने वाले 26 प्रतिशत के अतिरिक्त शुल्क को 90 दिन के लिए रोक दिया जाना अच्छी खबर है। वहीं भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए कुछ और अच्छी खबरें आई है। पहली खबर यह कि रिजर्व बैंक ने ब्याज दरों में 0.25 प्रतिशत की कटौती की। इसके साथ ही उसने अपना ध्यान ग्रोथ तेज करने पर लगाया है। रिजर्व बैंक ने पॉलिसी स्टैंड को 'न्यूट्रल' की जगह 'अकोमोडिटिव' कर दिया है। इससे आने वाले वक्त में भी ब्याज दरों में कमी किए जाने की संभावना बनी है। जानकारों का मानना है कि ब्याज दरों में इस साल और आधा फीसदी की कटौती की जा सकती है। दूसरी अच्छी खबर प्राइवेट वेदर एजेंसी स्काईमेट ने दी। उसने कहा कि इस साल भी मानसून सीजन में बारिश सामान्य से अधिक रहेगी। पिछले साल भी मानसूनी बारिश सामान्य से अच्छी हुई थी। मानसून के सामान्य रहने से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। साथ ही, इससे रूरल डिमांड भी बढ़ेगी। इससे पहले ऐसी खबरें आई हैं कि अर्बन डिमांड (शहरी इलाकों में खपत) में भी सुधार हो रहा है, जो अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर है। हालांकि, इस वित्त वर्ष में आर्थिक विकास दर के अनुमान को रिजर्व बैंक ने 6.7 प्रतिशत से कम करके 6.5 प्रतिशत किया है। पिछली कुछ तिमाहियों में आर्थिक विकास में सुस्ती दिखी थी। उसकी वजह यह थी कि पिछले साल लोकसभा चुनाव हुए और कुछ महीनों तक चुनावी आचार संहिता लागू होने के कारण सरकारी खर्च अपेक्षित नहीं रहा। इधर, सरकार ने खर्च बढ़ाया है, जिसका सकारात्मक असर आने वाले वक्त में दिखेगा। भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए एक और अच्छी खबर कच्चे तेल के दाम में आई कमी है। ब्रेंट क्रूड का भाव 60 डॉलर प्रति बैरल के करीब चल रहा है, जिससे महंगाई दर को काबू करने में मदद मिलेगी। असल में, भारत अपनी जरूरत का दो तिहाई से भी अधिक कच्चा तेल आयात करता है। इसलिए इसमें कमी आने से विदेशी मुद्रा की भी बचत होगी, जिससे करंसी को सहारा मिलेगा। वहीं, रिजर्व बैंक ने भी कहा कि इस वित्त वर्ष में महंगाई दर 4 प्रतिशत रह सकती है, जो उसके लक्ष्य के मुताबिक है। महंगाई दर कम रहने से आने वाले वक्त में रिजर्व बैंक के लिए ब्याज दरों में और कटौती करना आसान होगा। उम्मीद है कि दरों में कमी आने पर लोग हाथ खोलकर खर्च करेंगे। ऐसे में अगर डिमांड में रिकवरी होती है तो कंपनियां भी निवेश की पहल करेंगी। बजट में भी केंद्र सरकार ने न्यू टैक्स रेजीम में 12 लाख की आय पर इनकम टैक्स शून्य कर दिया है। इससे भी डिमांड को बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, नए वेतन आयोग की सिफारिशों के लागू होने से भी खपत में बढ़ोतरी की आशा है। इसलिए ऐसे समय में जब ट्रंप के आर्थिक युद्ध ने अनिश्चितता बढ़ा दी है, इन खबरों से लगता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था का प्रदर्शन अच्छा बना रहेगा।

डिग्री दिलवाओ, चाहे जान ले जाओ!

दमोह के मिशन अस्पताल में हाल ही में जो घटना घटी, वह जितनी चिकित्सा जगत के लिए शर्मनाक है, उतनी ही व्यवस्था पर भी करारी चोट है। सात निर्दोष लोगों की जान चली गई और आरोप है एक ऐसे डॉक्टर पर जिसकी डिग्री जितनी शानदार दिखती थी, उतनी ही फर्जी निकली। नाम था—डॉ. नरेंद्र जॉन केम। दार्जिलिंग-लंदन यूनिवर्सिटी की डिग्री लेकर आया था और अपोलो जैसे प्रतिष्ठित अस्पताल में कार्डियोलॉजिस्ट भी बन बैठा। अब यह मत पूछिए कि दार्जिलिंग-लंदन यूनिवर्सिटी कौन-सी संस्था है। यह उसी ब्रह्मांडीय विश्वविद्यालय की तरह है, जहाँ से कुछ प्रतियोगी परीक्षा टॉपर्स आते हैं—जिनका रोल नंबर बाद में सिस्टम में 'गड़बड़ी' के कारण दिखता ही नहीं। हमारे देश में डिग्री पाना आजकल तीर्थ यात्रा से कम नहीं। फर्क बस इतना है कि जहाँ श्रद्धालु दर्शन के लिए जाते हैं, वहाँ छात्र अंक-दर्शन और नौकरी-दर्शन के लिए जाते हैं। और जिनके पास संसाधन होते हैं, वे दर्शन के बजाए प्रत्यक्ष देवता (कनेक्शन और पैसा) के पास चले जाते हैं। अब ज़रा सोचिए, अगर डॉक्टर ही फर्जी निकल जाए तो रोगी की किस्मत किसके भरोसे? वह तो पहले ही भगवान के दरबार में टहल रहा होता है, डॉक्टर तो बस पुकार भर लेता है। लेकिन जब डॉक्टर खुद ही डिग्री वाले देवता निकले, तो समझिए कि स्वास्थ्य मंत्रालय से लेकर शिक्षा मंत्रालय तक, सबको इलाज की ज़रूरत है। IMA ने जब जांच की, तो न डॉक्टर निकला असली, न डिग्री। असली निकला तो सिर्फ सिस्टम का 'अंदाज़'—जो पहले भी कुछ न करता था, अब भी कुछ नहीं करेगा, और आगे भी शायद यही रवैया रहेगा।

यह कोई नई बात नहीं। शिक्षा की दुनिया में तो फर्जीवाड़ा अब एक प्रतिष्ठित पाठ्यक्रम बन चुका है। NEET, UGC-NET, SSC, UPSC—हर परीक्षा में कहीं न कहीं एक कोचिंग सेंटर से निकला जुगाड़ू अवतार मौजूद रहता है। परीक्षा केंद्रों पर ब्लूटूथ वाले कान में सिले हुए चिप्स हैं, बाहर से सॉल्वर और अंदर से नकल की फुल फुलझड़ी।

और जब शिक्षा प्रणाली खुद 'वेंटिलेटर' पर हो, तो स्वास्थ्य सेवाओं की हालत भी 'IC' जैसी ही होगी ना!

अब समय आ गया है कि सरकार एक नई योजना लाए—फर्जी प्रमाणपत्र निवारण मिशन। इसके अंतर्गत हर सरकारी और निजी संस्थान में कार्यरत लोगों की डिग्री का पुनरीक्षण हो। और हाँ, एक नया मंत्रालय भी बन सकता है—फर्जी डिग्री मंत्रालय—जहाँ से हर साल अवार्ड दिया जाए- इस वर्ष का सबसे क्रिएटिव प्रमाणपत्र क्या पता, इस साल का अवॉर्ड डॉक्टर केम को ही मिल जाए! और अंत में, जब अगली बार आप किसी डॉक्टर के क्लिनिक जाएं, तो बस दो सवाल ज़रूर पूछें—

1. आपकी डिग्री कहाँ से है?
2. वो जगह नक्शे में आती भी है या नहीं?, क्योंकि अब इलाज से ज़्यादा ज़रूरी हो गया है, डॉक्टर की डिग्री का इलाज।

(राजीव खरे ब्यूरो चीफ छत्तीसगढ़)

सिनौली उत्खनन ने सिद्ध किया...आर्य भारत के मूलनिवासी

वैदिक काल और आर्य यह दो ऐसे शब्द हैं जो भारत ही नहीं अपितु सम्पूर्ण विश्व के इतिहासकारों व आम जनमानस को 19वीं शताब्दी से आकर्षित किए हुए हैं। अंग्रेजों के भारत में स्थापित हो जाने के बाद उनके इतिहासकारों ने मजबूती से इस बात को स्थापित करने का प्रयास किया कि आर्य नामक एक जातीय समूह 1500 ईसा पूर्व में मध्य एशिया से चलकर भारत आया। उनके अनुसार ये वही लोग थे जो भारत में अपने साथ घोड़े व रथ लेकर आए। भारत की परतंत्रता और पुरातात्विक साक्ष्यों की कमी व अनदेखी ने इस मिथक को स्थापित कर दिया कि आर्य नामक एक जाति भारत में मध्य एशिया से आई थी। उत्तरप्रदेश के बागपत जिले में हिंडन व यमुना नदी के मध्य में स्थित सिनौली नामक पुरास्थल से सन् 2018 -19 में मिले पुरावशेषों ने यूरोपीय इतिहासकारों व उनके अनुगामी भारतीय इतिहासकारों द्वारा रचित आर्य आगमन के मिथक को धराशाई करने का कार्य किया है। कहा जाता था कि 1500 ई. पू. में मध्य एशिया से आए तथाकथित आर्य भारत में रथ लेकर आए। परन्तु सिनौली से प्राप्त रथ तो 2000 ई.पू. के हैं तथा 1500 ई. पू. से अधिक प्राचीन हैं। इतना ही नहीं, भारत के प्राचीनतम ग्रंथ ऋग्वेद में रथों को सूर्य किरणों से आलोकित होने की चर्चा की गई है।

सिनौली से मिले काष्ठ निर्मित रथों के पहियों में ताम्बे से जो जड़ाई का कार्य किया गया है वह सूर्य के फैलते हुए प्रकाश जैसा ही है। इस प्रकार सिनौली से मिले रथ व ऋग्वेद में वर्णित रथों में साम्यता है। यहां यह बात भी उल्लेखनीय है कि हड़प्पा उत्खनन की विवरणिका (1940) में भी ताम्र निर्मित रथ प्राप्त होने का विवरण उपलब्ध है। दुर्भाग्यवश इस रथ की बात इतिहास की किसी पुस्तक में नहीं की गई है। जहां तक बात घोड़े की है तो सिनौली के उत्खननकर्ता के अनुसार रथ के वजन व माप के अनुसार यह रथ घोड़े के द्वारा खींचना ही सम्भव था। इतना ही नहीं, घोड़े के अवशेष सरस्वती सिंधु सभ्यता के विभिन्न पुरास्थल जैसे सुरकोटदा, लोथल, रंगपुर, शिकारपुर आदि स्थानों से प्राप्त हुए हैं। घोड़े के इन अवशेषों का उल्लेख भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग की उत्खनन विवर्णिकाओं में उपलब्ध है। दुर्भाग्यवश रथ की तरह घोड़े के साक्ष्यों को भी इतिहास की पुस्तकों में स्थान नहीं दिया गया। पुरातात्विक साक्ष्यों व ऋग्वेद के वर्णन से यह स्पष्ट हो जाता है की रथ व घोड़े भारत में 2000 ई. पू. के पहले से विद्यमान थे। अत- रथ व घोड़े के आधार पर आर्य आगमन की बात करना तथ्यहीन है।

सिनौली में हुए उत्खनन से हमें योद्धाओं द्वारा पहने जाने वाले ताम्र निर्मित शिरस्त्राण भी मिले हैं। यह शिरस्त्राण मृत शरीर के साथ ही दफनाए गए थे। भारत में इससे पूर्व इस काल के शिरस्त्राण प्राप्त नहीं हुए थे। ऋग्वेद के छठे मंडल में वैदिक देवता मरुतों के द्वारा युद्ध में जाते समय शिरस्त्राण पहने जाने के उल्लेख है। यह पुरावशेष भी सिनौली के लोगों में प्रचलित वैदिक परम्परा का ही द्योतक है।

सिनौली से ही मिले कई शवाधानों में एक शवाधान में स्थित काष्ठ निर्मित एक शवपेटिका ऐसी भी है जिसपर ताम्बे की नौ मुखाकृतियां बनाई गई हैं। इन मुखाकृतियों ने बैल के सींग युक्त मुकुट पहने हैं। निश्चित तौर पर शवपेटिकाओं पर बनी इन मुखाकृतियों का कोई धार्मिक प्रयोजन है। यहां इस बात का उल्लेख आवश्यक हो जाता है की ऋग्वेद में इंद्र व अग्नि को बैलों के सींग से युक्त मुकुट पहनाए जाने की चर्चा की गई है। पुरातत्वविदों का ऐसा मत है कि यह मुखाकृतियां वैदिक देवता इंद्र और अग्नि की हैं। भारतीय जनमानस में दीर्घकाल से यह भ्रम रहा है कि उनके समाज में मृत्योपरांत शव को केवल जलाने की ही परंपरा रही है। ऋग्वेद के दसवें मंडल में शवों को दफनाने के कई उल्लेख उपलब्ध हैं। भारतीय समाज में आज भी शवों को जलाने व भू समाधी देने की परम्परा विद्यमान है ।

कई पाश्चात्य विद्वानों ने सिनौली के इन रथों को मध्य एशिया से आने वाले तथाकथित आर्यों से जोड़ने का प्रयत्न किया है। जिन आर्यों के आगमन का समय पूर्व में 1500 ई.पू. बताया जाता था उसे अब 2000 ई.पू. ले जाने के प्रयत्न किये जा रहे हैं। परन्तु ये इतिहासकार यह भूल जाते हैं कि सिनौली के कंकालों का डीएनए व राखीगढ़ी से मिलने वाला 2500 ई.पू. का डीएनए समान है। ऐसे में सिनौली के लोगों को मध्य एशिया से आए आर्य बताना पूर्णत- तथ्यहीन है।

इसके साथ ही अमेरिकी मानव वैज्ञानिक लुकॉक्स व कैनेडी के शोध के अनुसार उत्तर पश्चिम भारत में 800 ई.पू. तक की जनसंख्या में कोई मध्य एशियन डीएनए उपलब्ध नहीं है। डीएनए पर कुछ ऐसा ही परिणाम हाल ही में हुए शोध कार्यों में भी प्राप्त हुआ है। साथ ही, यदि सिनौली के निवासी पश्चिम दिशा से आए थे तो सिनौली जैसे पुरावशेष उस क्षेत्र से भी प्राप्त होने चाहिए लेकिन ऐसे कोई पुरावशेष हमें आगमन के उस मार्ग पर दिखाई नहीं देते ।

ऋग्वेद में वर्णित शवों को दफनाने की परम्परा, सिनौली से मिलने वाले शवाधान व पुरावशेषों के ऋग्वेद में वर्णित श्लोकों से साम्यता इस बात की ओर इंगित करती हैं कि सिनौली में आज से 4000 वर्ष पूर्व रहने वाले लोग वैदिक परम्परा के अनुयायी थे। इतना ही नहीं राखीगढ़ी व सिनौली से मिले कंकालों के डीएनए में साम्यता इस बात का अकाट्य प्रमाण है की 1500 ई.पू. में आर्य नामक कोई मानव समूह घोड़े युक्त रथों पर सवार हो मध्य एशिया से भारत में नहीं आया। भारत में आज से 4000 वर्ष पूर्व के पहले से ही वैदिक मान्यताओं का अनुसरण करने वाले लोग रहा करते थे और वे इसी भूमि के मूलनिवासी थे।

टीकमगढ़ जिला अस्पताल में आउटसोर्सिंग घोटाला

नियुक्तियों में वसूले जा रहे हजारों रुपये, हटाए जा रहे पुराने कर्मचारी

रूपेश जैन । सिटी चीफ टीकमगढ़। जिले के जिला अस्पताल में एक बड़ा भर्ती घोटाला सामने आया है, जहां आउटसोर्सिंग के जरिए कर्मचारियों की नियुक्तियों में भारी पैसों की वसूली की जा रही है। जानकारी के अनुसार, पुराने और अनुभवी कर्मचारियों को बिना किसी ठोस कारण के हटाया जा रहा है, और उनकी जगह नए कर्मचारियों की नियुक्ति की जा रही है — वो भी पैसे लेकर। चौंकाने वाली बात यह है कि जिन कर्मचारियों की नियुक्ति हो रही है, उनसे हजारों रुपये लिए जा रहे हैं। इसके पीछे जिस निजी कंपनी को जिम्मेदारी दी गई है, वह पहले ही छतरपुर जिले में ब्लैकलिस्टेड हो चुकी है, फिर भी उसे टीकमगढ़ में काम करने की अनुमति देना कई सवाल खड़े करता है। इसके अलावा, अस्पताल में खरीदियों के नाम पर भी बड़े पैमाने पर गड़बड़ियां सामने आ रही हैं। मेडिकल सप्लाई और उपकरणों की खरीद में पारदर्शिता की भारी कमी देखने को मिल रही है, जिससे यह आशंका और गहराती है कि अस्पताल में बड़े स्तर पर भ्रष्टाचार चल रहा है। स्थानीय नागरिकों और कर्मचारियों ने मांग की है कि इस पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच करवाई जाए और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो। जिले के जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों से जवाबदेही तय किए जाने की आवश्यकता है। यदि समय रहते इस भ्रष्ट तंत्र पर लगाम नहीं लगाई गई, तो न केवल सरकारी धन का दुरुपयोग होगा, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं पर भी इसका गंभीर असर पड़ेगा।

बढ़ती हुई महंगाई को लेकर कांग्रेस ने किया सरकार का पुतला दहन

अरविंद सिंह पवैया । सिटी चीफ ग्वालियर, केंद्र सरकार द्वारा रसोई गैस के दम पर ?50 और डीजल पेट्रोल पर बढ़ाए गए ?2 उत्पाद शुल्क के विरोध में ब्लॉक कांग्रेस कमेटियों के आवाहन पर कांग्रेस प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा के नेतृत्व में किला गेट चौराहे पर केंद्र सरकार व महंगाई का पुतला जलाकर विरोध प्रदर्शन किया गया प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हाथों में झंडा एवं तख्तीया लेकर महंगाई कम करो महंगाई पर रोक लगाऔ केंद सरकार होश में आओ नारे लगाते हुए कांग्रेस कार्यकर्ता किला गेट् से लेकर किला गेट चौराहे तक जुलूस के रूप में पहुंचे और केंद्र सरकार का पुतला दहन किया प्रदेश महासचिव सुनील शर्मा ने पुतला दहन पश्चात कार्यकर्ताओं को और मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि बहुत हुई महंगाई की मार अबकी बार मोदी सरकार के नारे से आई सरकार ने सबसे ज्यादा भारत की जनता को महंगाई की मार दी है उन्होंने कहा कि साढे ?300 का सिलेंडर आज साढे आठ सौ का हो गया है 47 रुपए का पेट्रोल आज सवा सो होने को जा रहा है उन्होंने भाजपा सरकार को चेताते हुए कहा कि ?1200 लाडली को देते हो और साढे आठ सौ सिलेंडर के रूप में ले लेते हो महंगाई बढ़ते जा रहे हो जबकि बेरोजगारी की हालत मध्य प्रदेश में और देश में किसी से छुपी नहीं है युवा परेशान है उन्होंने कहा कि पूरा देश गरीब हो रहा है लेकिन चुनिंदा गुजरात के उद्योगपति पैसे वाले हो रहे हैं उन्होंने स्कूली किताबों पर और शिक्षा पर जीएसटी लगने से बड़ी महंगाई पर भी भाजपा सरकार को आड़े हाथों लिया उन्होंने कहा कि अब सरकार बच्चो और उनके पालकों पर भी महंगाई की मार कर रही है उन्होंने कहा जल्द से जल्द सरकार बढ़ी हुए दाम वापस ले नहीं तो कांग्रेस सड़कों पर उतरकर संघर्ष करेगी उन्होंने भाजपा सरकार को याद दिलाते हुए बताया कि जब पेट्रोल पर कुछ पैसे की बढ़ोतरी हुई थी तब भाजपा नेता लोकसभा बैलगाड़ी से गए थे उन्होंने कहा 50-50 रुपए बढ़ रहे हैं और केंद्र सरकार को शर्म नहीं आ रही है पुतला दहन में मुख्य रूप से महाराज सिंह पटेल अशोक प्रेमी मुनेंद्र भदोरिया लक्ष्मी नारायण कुशवाहा पिंटू राजपूत पार्षद मातु यादव मनोज राजपूत धर्मेंद्र वर्मा शकील मंसूरी रामू कुशवाहा धर्मवीर राठौर अशोक मिश्रा महेश मधुरिया मुन्नालाल खरे कुलदीप शर्मा अजीत गोस्वामी सुरेश प्रजापति नगर पाल आर्य मोनू जैन विक्रम शर्मा राजेंद्र माहौर झाललो खान रणवीर चौधरी राधेश्याम शर्मा सोनू राजावत संजय माहौर सोहेल खान संजीव दीक्षित हरेंद्र पाल एवं समस्त कार्यकर्ता

प्रदेश में पत्रकारों की सुरक्षा को लेकर उठा विरोध का स्वर

पत्रकारों ने सौंपा ज्ञापन

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ। बालाघाट, प्रदेश में लगातार पत्रकारों पर हो रहे जानलेवा हमलों,फर्जी मामलों में फंसाने और उनके परिवारों को प्रताड़ित किए जाने के मामलों से नाराज़ पत्रकारों ने अपनी आवाज बुलंद करते हुए बुधवार को थाना लालबर्रा और तहसील कार्यालय पहुंचकर मुख्यमंत्री व डीजीपी के नाम ज्ञापन सौंपा।पत्रकारों ने सरकार से प्रदेश में एक ठोस एवं प्रभावी पत्रकार सुरक्षा कानून बनाने की मांग की,जिससे स्वतंत्र पत्रकारिता को सुरक्षा मिल सके।

राष्ट्रबाण के पत्रकार पर हमले से उपजा आक्रोश ज्ञापन में उल्लेख किया गया कि 7 अप्रैल को राष्ट्रबाण समाचार पत्र से जुड़े पत्रकार मिलिंद ठाकरे पर दो नकाबपोश हमलावरों ने तेजधार हथियारों से हमला कर गंभीर रूप से घायल कर दिया था। यह हमला दिनदहाड़े मुख्य सड़क पर हुआ, जिससे पत्रकार जगत में भय का माहौल व्याप्त है।पत्रकारों ने इस घटना के आरोपियों की शीघ्र गिरफ्तारी एवं कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

पुरानी घटनाओं का भी किया गया हवाला पत्रकारों ने ज्ञापन में पूर्व की कई घटनाओं का भी जिक्र किया,जिनमें बालाघाट जिले कि कटंगी के पत्रकार संदीप कोठारी की जिंदा जलाकर हत्या कर दी गई और 1 अक्टूबर 2019 को लालबर्रा में पत्रकार प्रकाश चौहान को बंधक बनाकर मारपीट व झूठे प्रकरण में फंसाया जाना शामिल है। इन घटनाओं को पत्रकारों ने लोकतंत्र के चौथे स्तंभ पर सीधा हमला करार दिया।

एकजुट होकर उठाई सुरक्षा की मांग ज्ञापन सौंपने पहुंचे पत्रकारों ने कहा कि प्रदेश में स्वतंत्र पत्रकारिता करना दिन-ब-दिन मुश्किल होता जा रहा है। कहीं पत्रकारों को जान से मारा जा रहा है,तो कहीं उन्हें झूठे मामलों में फंसाकर डराने की कोशिश की जा रही है। ऐसी स्थिति में यदि पत्रकारों को विधिक संरक्षण नहीं मिला तो जनहित की पत्रकारिता खतरे में पड़ जाएगी।

ज्ञापन सौंपने पहुंचे पत्रकारों में शामिल थे मुकेश रंगारे,मुकेश अवधिया, मतीन खान,वरिष्ठ पत्रकार साथी विजय रजक जी,राहुल जायसवाल,आशीष भगत,मतीन रजा,देवेंश बिसेन,विश्वास मेश्राम, इमरान कुरैशी,राजेश ब्रम्हे सहित अन्य पत्रकार साथी मौजूद रहे। ज्ञापन की एक प्रति डाक द्वारा पुलिस महानिदेशक कार्यालय भोपाल को भी भेजी गई है।

पन्ना, अमानगंज नगर परिषद सीएमओ बने राममिलन तिवारी

रामनरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ पन्ना, नगर परिषद अमानगंज के मुख्य नगरपालिका अधिकारी के रूप में राममिलन तिवारी ने आज दिनांक 9 अप्रैल 2025 को पदभार संभाला उनका स्वागत फूल माला एवं रोरी तिलक से किया गया । ज्ञात हुआ है कि राममिलन तिवारी को नगरीय प्रशासन द्वारा प्रभारी सीएमओ के रूप में नगर परिषद अमानगंज नियुक्त किया है। नगर परिषद अमानगंज अध्यक्ष श्रीमती सारिका खटीक ने उनको नपा अमानगंज में सीएमओ के रूप में जॉइनिंग दी और उनका स्वागत किया। इस मौके पर नगर परिषद कर्मचारी एवं मीडिया तंत्र की उपस्थिति देखी गई।

नवविधान अनुसंधान व तकनीक के परिप्रेक्ष्य में द्वितीय कार्यशाला प्रारंभ

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ लालबर्रा, पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी दिशा निर्देशों के पालन में पुलिस अधीक्षक महोदय सिवनी श्री सुनील मेहता के कुशल नेतृत्व व अति पुलिस अधीक्षक महोदय श्री गुरूदत शर्मा के मार्गदर्शन में 03 दिवसीय द्वितीय कार्यशाला कार्यशाला प्रारंभ प्रशिक्षक निरीक्षक श्री सीएस उइके,निरीक्षक श्री ओमेश्वर ठाकरे द्वारा जिले के समस्त थाने व चौकियों से नामित व उपस्थित 40 विवेचकों को कार्यशाला के प्रथम दिवस में नव विधान की रूपरेखा,नवविधान के आलोक में एफआईआर,ई एफआईआर,जीरो एफआईआर, विवेचना के दौरान घटना स्थल की सुरक्षा प्रारंभिक जांच व सावधानी,फोरेंसिक जांच टीम की भूमिका,विवेचक अधिकारी द्वारा तकनीकों के प्रयोग, वीडियोग्राफी,साइबर फोरेंसिक, अरेस्ट एंड कस्टडी,साइंटिफिक एविडेंस कलेक्शन एंड मैनेजमेंट, आई रेड विषय पर विस्तार से जानकारी व पाठ्य सामग्री सांझा की गई। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र में पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा कार्यशाला को संबोधित करते हुए टेक्नोफ्रेंडली जीवनशैली हमे दक्ष बनने के साथ साथ आनंद और सुख देकर समाज में अकेलेपन और अनुपयोगी होने से बचाती हैं का मार्गदर्शन देकर उत्साहित किया।साथ ही अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक महोदय व नगर पुलिस अधीक्षक श्रीमती पूजा पांडेय द्वारा कार्यशाला के माध्यम से नव विधान के प्रावधानों के साथ कार्यक्षेत्र में आने वाली चुनौतियों के निराकरण हेतू प्रशिक्षण के महत्व के संबंध मे प्रेरित किया गया। हार्टफुलनेस संस्था द्वारा ध्यान अभ्यास भी कराया गया।

गांव-गली-वार्ड चलो अभियान की शुरुआत

कटनी के आदिवासी बहुल गांव में पहुंचे सांसद विष्णुदत्त शर्मा

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गांव चलो बस्ती चलो अभियान के तहत ग्राम सम्पर्क के तहत कटनी पहुंचे भाजपा प्रदेशाध्यक्ष तथा खजुराहो लोकसभा के सांसद विष्णुदत्त शर्मा कटनी मुड़वारा विधानसभा के ग्राम घँघरीकला पहुंचे, यहां ग्रामीणों के साथ जमीन पर बैठ ग्रामीणों से चर्चा की वही ग्राम के सरपंच से ग्राम क्षेत्र में जल समस्या में चर्चा करते हुए और उसके निदान के लिए अधिकारियों से मौके से ही फोन से बात करते हुए समस्या हल करने के निर्देश दिए। कटनी जिले के ग्राम घँघरीकला आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में स्थापना दिवस अभियान के तहत गांव-गली-वार्ड चलो अभियान की शुरुआत कटनी पहुंचे खजुराहो के सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने की। कटनी जिले के ग्राम घांघरीकला पहुंचे जहां उन्होंने भाजपा के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं के साथ गांव-गली-वार्ड चलो अभियान प्रारंभ किया। यह अभियान आज यानी 10 से 13 अप्रैल तक चलेगा। इस दौरान भाजपा के वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता घर-घर दस्तक दें रहे है और केंद्र व प्रदेश सरकार का लेखा-जोखा लोक दरबार में में जाकर लोगों के सामने रख लोगो को होने वाली समस्याओं को सुन उसका निदान भी कर रहे है। इस अभियान के लिए सभी वरिष्ठ नेताओं की अलग-अलग विधानसभा क्षेत्रों में ड्यूटी लगाई गई है। जो कटनी जिले के चारों विधानसभा क्षेत्र में अभियान के तहत जनसंपर्क करेंगे। कटनी पहुंचे खजुराहो के सांसद विष्णु दत्त शर्मा ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में गांव चलो बस्ती चलो अभियान के तहत ग्राम सम्पर्क के तहत वह कटनी जिले के ग्राम घँघरीकला आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र में स्थापना दिवस अभियान के तहत गांव-गली-वार्ड चलो अभियान की शुरुआत की वे ग्रामीणों से चर्चा करते हुए उन्हें होने वाली समस्या और ग्राम के विकास के बारे में चर्चा की वही उन्होंने ने ग्राम में पानी की समस्या को दूर करने के लिए मौके से ही संबंधित अधिकारी को फोन से ही बात करते हुए ग्राम से जल समस्या का जल्द से जल्द दूर करने के निर्देश भी दिए। विष्णु दत्त शर्मा ने यह भी बताया कि इस गांव में 218 पीएम आवास मिले है और इस गांव का लक्ष्य 220 है।

सहारनपुर में श्री अखंड परशुराम अखाड़ा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधीर कौशिक का पगडी पहनाकर भव्य स्वागत किया गया

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, हरिद्वार से आये श्री अखंड परशुराम अखाड़ा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित अधीर कौशिक का गिल कॉलोनी स्थित अतुल पाराशर के आवास पर पगड़ी एवं पटका पहनाकर भव्य स्वागत किया गया। ब्राह्मण समुदाय सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों ने पगड़ी पहनाकर उनका अभिनंदन किया। श्री अखंड परशुराम अखाड़ा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अधीर कौशिक आगामी 11 मई को हरिद्वार में आयोजित होने वाली भगवान परशुराम शोभायात्रा के लिए निमंत्रण देने के लिए सहारनपुर पहुंचे थे। बैठक में सहारनपुर के प्रमुख ब्राह्मण संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा, पंडित विनोद शर्मा, अतुल पाराशर, मुकेश दीक्षित, राजेश शर्मा, युवा ब्राह्मण नेता रोहित कौशिक, सोनू शर्मा, बृजमोहन शर्मा, मनोज ठाकुर और कुलदीप शर्मा सहित बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। पंडित अधीर कौशिक ने बैठक में उपस्थित लोगों से हरिद्वार में होने वाली भव्य शोभायात्रा में शामिल होने की अपील की। पूर्व सांसद राघव लखनपाल शर्मा ने कहा कि यह शोभायात्रा ब्राह्मण समाज की एकता और गौरव का प्रतीक है। बैठक में सभी ने इस आयोजन को भव्य बनाने व उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त किए। ब्राह्मण नेता अतुल पाराशर एवं दुष्यंत शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए ऐसे आयोजन महत्वपूर्ण हैं। युवा ब्राह्मण नेता रोहित कौशिक ने युवाओं से सनातन संस्कृति के संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आग्रह किया एवं हरिद्वार में होने वाली भगवान परशुराम शोभायात्रा में अधिक से अधिक संख्या में पहुंचने की अपील की। इस बैठक को सहारनपुर में सामाजिक एकता और धार्मिक जागरूकता बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। आयोजन में शामिल लोगों ने इसे सफल बनाने के लिए पूर्ण सहयोग का भरोसा दिलाया। बैठक में राजेश पंडित, दिनेश पंडित, मुकेश दीक्षित, राजू पंडित, कुलदीप शर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

डीएम-एसएसपी ने बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर जयंती की तैयारियों के संबंध में की बैठक

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर। जिला मजिस्ट्रेट मनीष बंसल एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रोहित सिंह सजवाण की संयुक्त अध्यक्षता में कलक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर जयंती पर शांति एवं कानून व्यवस्था तथा अन्य आवश्यक व्यवस्थाओं के संबंध में पुलिस एवं प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की गयी। बैठक में डीएम एवं एसएसपी द्वारा संयुक्त रूप से थानावार एवं तहसीलवार समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि ड्यूटी पर तैनात सभी मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारी अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का अच्छे से निर्वहन करें। इसके साथ ही अपने क्षेत्रों में निरीक्षण कर चल रही तैयारियों कों परखते रहें। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पहले से पूर्ण करना सुनिश्चित करें जिससे शोभायात्रा सकुशल शांतिपूर्वक सम्पन्न हो सकें। इसके साथ संबंधित अधिकारियों को शोभायात्रा के रूटों पर साफ-सफाई सहित अन्य आवश्यक व्यवस्था कराने हेतु निर्देशित किया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व रजनीश कुमार मिश्र, एसपी देहात सागर जैन, एएसपी मनोज कुमार, सिटी मजिस्ट्रेट गजेन्द्र कुमार, समस्त उप जिला मजिस्ट्रेट एवं पुलिस अधिकारीगण सहित संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

देवबंद में जैन समाज ने 24 वें तीर्थंकर भगवान महावीर की 2624 वीं जन्म जयंती मनाई

जैन समाज ने जियो और जीने दो के मार्ग पर चलने का

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद में आज जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी की 2624 वीं जन्म जयंती बडे उल्लास के साथ मनाई गई। इस दौरान जैन समाज के लोगों द्वारा जैन मंदिरों में पूजा-अर्चना कर भगवान महावीर स्वामी के संदेश जियो और जीने दो के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया गया। जैन समाज की ओर से नगर में भव्य पालकी यात्रा भी निकाली गई। पालकी यात्रा श्री दिगंबर जैन मंदिर सारगवाड़ा से प्रारंभ होकर श्री दिगंबर जैन मंदिर बाहरा, श्री दिगंबर जैन मंदिर कानूनगोयान, हनुमान चौक, मेन बाजार, एमबीडी चौक होते हुए श्री दिगंबर जैन मंदिर नेचलगढ़ पहुंची। जहां जैन समाज के पुरुषों द्वारा शुद्ध वस्त्र पहनकर सुबह नित्य नियम पूजन , श्री जी का सहस्त्र कलशो से अभिषेक एवं भगवान महावीर स्वामी जी के जन्म जयंती पर विशेष पूजा-अर्चना की गई। श्री दिगंबर जैन मंदिर सारगवाड़ा में हुई बोलियो में भगवान का ख्वासी बनने का सौभाग्य श्री महिपाल अजय कुमार जैन, दाये इंद्र व बाये इंद्र की बोली श्री महेश चंद अजय कुमार जैन (बजाज), श्री अनुज कुमार, लक्ष्य जैन और खजांची की बोली श्री महिपाल मुकेश कुमार जैन (बजाज) ने प्राप्त की। बाल ब्रह्मचारी अभय भैया जी ने अपने प्रवचन में कहा कि भगवान महावीर स्वामी का संदेश जियो और जीने दो के सिद्धांत का पालन करने वाला जैन धर्म है। भगवान महावीर का प्रकृति से गहरा संबंध रहा था। उन्होंने जंगल में जीव-जंतु ही नहीं वरन् पेड़-पौधों के बीच रहकर अपनी साधना की थी तथा ऋजुपालिका नदी के किनारे एक शाल के पेड़ के नीचे ही उन्हें आत्मज्ञान (केवल ज्ञान) की प्राप्ति हुई थी। जैन धर्म की पवित्र पुस्तकों (आगमों) में न केवल जीव-जंतु बल्कि पेड़-पौधों पर दया करने का उपदेश दिया गया है। पृथ्वी (मिट्टी), जल, वायु, वनस्पति और अग्नि सभी में जीवन है। इन सभी को हानि नहीं पहुंचानी चाहिए तथा इन्हें नष्ट होने से बचाना चाहिए। जैन धर्म में प्रकृति के उपभोग की बजाय उपयोग करने का उपदेश दिया गया है। पालकी यात्रा में श्री दिगंबर जैन पंचायत समिति के अध्यक्ष मोनी जैन, महामंत्री शुभम जैन, कोषाध्यक्ष मनोज जैन (पिल्लू), सुदेश जैन, अतुल जैन, मुकेश जैन, शशांक जैन, विपुल जैन, अंकित जैन, प्रतीक जैन, ऋषभ जैन, हर्षित जैन, अर्चना जैन, चन्दन जैन, सुनीता जैन, सविता जैन, शिल्पी जैन, सपना जैन, संगीता जैन सहित समस्त जैन समाज मौजूद रहा।

मण्डलायुक्त ने की मूल्य समर्थन योजना वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत गेहूँ खरीद की समीक्षा

गेहूं खरीद में प्रगति लाते हुए लक्ष्य पूर्ण करने के दिए निर्देश, समस्त स्थाई गेहूं क्रय केन्द्रों को बनाएं मोबाईल क्रय केन्द्र

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, मण्डलायुक्त अटल कुमार राय की अध्यक्षता में मूल्य समर्थन योजना वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत गेहूं खरीद की समीक्षा की गयी। समीक्षा किये जाने पर पाया गया कि सम्भाग में 98.500 मीट्रिक टन लक्ष्य के सापेक्ष अद्यतन 19 कृषकों से 84.835 मीट्रिक टन खरीद हुई है। जिसके सापेक्ष 05 कृषको का भुगतान उनके बैंक खाते में कराया जा चुका है। अवगत कराया गया कि सम्भाग में 181 गेहूं क्रय केन्द्र स्थापित है एवं समस्त क्रय केन्द्रों पर गेहूं खरीद सम्बन्धी समस्त व्यवस्थायें पूर्ण हैं। मण्डलायुक्त अटल कुमार राय द्वारा गेहूं खरीद में प्रगति लाये जाने हेतु निर्देश दिए कि समस्त मण्डल में स्थापित समस्त स्थाई गेहूं क्रय केन्द्रों को सचल/मोबाईल क्रय केन्द्र कर दिया जाये तथा क्रय केन्द्रों पर गेहूं बेचने वाले कृषकों का प्रत्येक दशा में 48 घंटे के अन्दर भुगतान सुनिश्चित किया जाये। उन्होंने निर्देश दिए कि समस्त अपर जिलाधिकारी व जिला खरीद अधिकारी प्रत्येक क्रय केन्द्र का शासन द्वारा निर्धारित प्रारूप पर निरीक्षण कराकर निरीक्षण आख्या प्रेषित करें कि क्या सभी क्रय केन्द्र स्थापित है एवं उन पर समस्त आवश्यक सामग्री यथा धन, बोरा, उपकरण, कृषकों की सुख-सुविधा की व्यवस्था आदि हैं या नहीं ?

उन्होंने किसानों का रजिस्ट्रेशन अधिकाधिक किये जाने के दृष्टिगत समस्त गेहूँ कय केन्द्र प्रभारी/क्रय एजेंसी वर्ष 2021-22 में गेहूं विक्रय करने वाले कृषकों की सूची प्राप्त करके सम्बन्धित कृषकों से वार्ता / सम्पर्क कर अधिक से अधिक कृषकों का पंजीकरण करें व गेहूं क्रय में प्रगति लाना सुनिश्चित करें। मंडलायुक्त अटल कुमार राय ने कहा कि कृषकों द्वारा गेहूं की कटाई प्रारम्भ की जा चुकी है। अतः सम्बन्धित क्रय एजेंसी के मण्डल एवं जनपद स्तरीय अधिकारी सम्भाग के जनपदों में अधिक प्रयास करके स्वीकृत शत-प्रतिशत गेहूं क्रय केन्द्रों पर तीन दिन के अंदर गेहूं की खरीद प्रारम्भ करायें। संयुक्त निबन्धक, संयुक्त आयुक्त, सहकारिता, सम्भाग तथा समस्त सहायक निबन्धक, सहायक आयुक्त, सहकारिता एवं पी0सी0एफ0 तथा पी0सी0यू0 के अधिकारियों को निर्देश दिये गये कि गाँवों में कृषको से सम्पर्क स्थापित कर स्थाई / सचल क्रय केन्द्रों के माध्यम से गेहूं की खरीद करते हुए लक्ष्य की पूर्ति करें। उन्होंने निर्देश दिए कि क्रय केन्द्रवार दैनिक व साप्ताहिक लक्ष्य निर्धारित कर समस्त जिलाधिकारी द्वारा साप्ताहिक एवं अपर जिलाधिकारी व जिला खरीद अधिकारी द्वारा दैनिक रूप से गेहूं क्रय की समीक्षा की जाये। समस्त स्थाई गेहूँ कय केन्द्र मोबाईल क्रय केन्द्रों के माध्यम से भी गेहूं क्रय करेंगें। अतः सम्भाग के समस्त एजेन्सी के क्रय केन्द्र प्रभारी गाँवों में कृषकों से सम्पर्क स्थापित कर नियमानुसार गेहूं खरीद करें तथा सरकार किसान के द्वार की सार्थकता सिद्ध करें। इस हेतु आवश्यक हो तो जिलाधिकारी सचल क्रय केन्द्रों का समीपस्थ गाँवों से सम्बद्धीकरण भी कर दें। ऐसे किसान भाई जो अपना गेहूं गाँव में ही सचल क्रय केन्द्र के माध्यम से विक्रय करना चाहते हैं परन्तु क्रय केन्द्र प्रभारी सहयोग प्रदान नहीं करता है तो टोल फ्री नम्बर 18001800150 तथा कन्ट्रोल रूम नम्बर 9720038182, 8791671256, 6284251298 पर अपनी शिकायत दर्ज करायें। किसान भाईयों द्वारा दर्ज करायी गयी शिकायतों का तत्काल संज्ञान लेते हुए तत्काल गेहूं की खरीद सुनिश्चित की जायेगी। प्रत्येक क्रय केन्द्र पर प्रतिदिन लक्ष्य के सापेक्ष खरीद अवश्य करायी जाये तथा प्रत्येक क्रय केन्द्र पर प्रत्येक समय 05 गाँठ बोरों का बफर उपलब्ध रहे तथा इसकी प्रतिदिन क्रय एजेन्सी समीक्षा करे। क्रय एजेन्सी पी0सी0एफ0, पी0सी0यू0 एवं मण्डी इस हेतु खाद्य विभाग से आवश्यक बोरे तत्काल प्राप्त कर ले। मंडलायुक्त अटल कुमार राय ने जनपदों में गेहूं के अवैध संचरण को रोकने हेतु गठित समिति सक्रिय होकर प्रतिदिन प्रवर्तन कार्य कर यह सुनिश्चित करे कि गेहूँ का अवैध संचरण न हो तथा व्यापारियों द्वारा अवैध भण्डारण न किया जाये। जिन कृषकों का रजिस्ट्रेशन पोर्टल पर हुआ है, किन्तु उनके द्वारा गेहूँ की बिकी कय केन्द्रों पर नहीं की गयी है, उनकी सूची सम्बन्धित कय केन्द्रों को दी जाये एवं उनसे वार्ता कर गेहूँ की खरीद सुनिश्चित करायी जायें। शासन स्तर से आवंटित क्रय लक्ष्य की प्राप्ति करने वाले क्रय केन्द्र प्रभारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जायेगा तथा खराब प्रदर्शन करने वाले व उदासीनता बरतने वाले क्रय केन्द्र प्रभारियों एवं जिला प्रभारियों को दण्डित भी किया जायेगा। समीक्षा बैठक में संतोष कुमार राय सम्भागीय खाद्य नियंत्रक, श्रीकृष्ण सम्भागीय खाद्य विपणन अधिकारी, समस्त अपर जिलाधिकारी / प्रभारी अधिकारी गेहूं खरीद, समस्त जिला खाद्य विपणन अधिकारी, समस्त सहायक निबन्धक सहकारिता तथा क्रय एजेन्सियों के मण्डलीय एवं जिला प्रभारी उपस्थित रहें।

महावीर जयंती पर कुकड़ेश्वर में निकला भव्य चल समारोह, नगर हुआ धर्ममय

कुकड़ेश्वर महावीर जयंती के पावन अवसर पर कुकड़ेश्वर नगर में प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी भव्य चल समारोह का आयोजन किया गया। यह आयोजन श्रद्धा, भक्ति और उल्लास से भरपूर रहा, जिसमें नगरवासियों ने बड़े उत्साह से भाग लिया। चल समारोह का शुभारंभ प्रातः 9:00 बजे जैन मंदिर से हुआ, जो नगर के प्रमुख मार्गों -चंपा बाजार, रंगारा मोहल्ला, तमोली मोहल्ला, नीम चौक, बाजार, सदर बाजार, बस स्टैंड और मीना चौक से होता हुआ पुनः जैन मंदिर पहुंचकर संपन्न हुआ। चल समारोह में महिलाओं, पुरुषों और बच्चों ने पारंपरिक वेशभूषा में ढोल-धमाके और भजनों के साथ उत्साहपूर्वक भाग लिया। जगह-जगह स्वागत द्वार लगाए गए थे और श्रद्धालु जगह-जगह पुष्प वर्षा करते नज़र आए। पूरा नगर भक्ति और समर्पण की भावना से सराबोर हो उठा। इस भव्य आयोजन ने न केवल धार्मिक एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया, बल्कि

भगवान महावीर के अहिंसा, सत्य और त्याग के सिद्धांतों को जन-जन तक पहुँचाने का कार्य भी किया।

अहिंसा एवं करुणा के अवतार भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक पर उत्साह से हुआ समारोह

खेतिया जैन समाज के 24 पर तीर्थंकर एवं संपूर्ण विश्व को अहिंसा परमो धर्म, जियो और जीने दो का संदेश देने वाले करुणा निधान श्री भगवान महावीर स्वामी का जन्म कल्याणक नगर में जैन समाज द्वारा उत्साह से धार्मिक आयोजनों के साथ मनाया गया। भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक के अवसर पर सर्वप्रथम सुबह प्रभात फेरी स्थानक भवन से निकाली गई जो स्थानक भवन पर ही आकर संपन्न हुई।स्थानक भवन पर सामूहिक 910 सामयिक के साथ बच्चों ने भगवान महावीर स्वामी के जीवन व सिधान्तो पर अपनी बात कही जिन्हें पारितोषिक देकर सम्मानित किया। एक विशाल चल समारोह (वरघोड़ा) जैन मंदिर से निकल कर शहर के मुख्य मार्गो से होता हुआ पुनः जैन मंदिर पहुंचा। इस चल समारोह में भक्ति गीत बजते रहे जिस पर समाज जन झूमते दिखाई दे रहे थे।त्रिशला नंदन

वीर की जय बोलो महावीर की,महावीर का संदेश जियो ओर जीने दो के नारे भी गूंजते रहे।

भगवान महावीर का जन्म कल्याण महोत्सव पर जैन धर्मावलंबियों का उत्साह देखते ही बनता था। शोभा यात्रा में मंदिर जी से प्रभु भी आकर्षक चांदी की बेदी पर विराजमान रहे जिन्हें जिनकी विशेष पूजा अर्चना गवली कर जैन समाज जनों ने की। प्रभातफेरी व चल समारोह में पुरूष, व महिलाएं निर्धारित वेशभूषा में दिखाई दिए।श्री महावीर स्वामी के जन्म कल्याणक के अवसर पर मंदिर पर विशेष विद्युत साज सज्जा की गई तथा प्रभु की विशेष अंग रचना भी की गई चल समारोह में समाज जनों का उत्साह अत्यधिक दिखाई दे रहा था समाज जनों ने स्वामी वात्सल्य का भी आयोजन किया देर शाम मंदिर की परिसर पर भक्ति संध्या भी आयोजित की जा रही है आज संपन्न हुए महावीर जन्म कल्याणक समझ में जैन समाज के अतिरिक्त अन्य धर्म के लोगों ने भी हिस्सेदारी की ।प्रशासन व पुलिस की व्यवस्था निरंतर बनी रही। शासन के दिशा निर्दोषों के पालन में नगर पंचायत खेतिया के आदेश अनुसार खेतिया शहर में मांस विक्रय की दुकान बंद रही। मूर्ति पूजक संघ के अध्यक्ष महिपाल जैन एवं स्थानकवासी संघ के अध्यक्ष राजमल जैन ने महावीर जन्म कल्याणक समारोह की सफलता के लिए मिले प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष सहयोग के लिए सभी का आभार व्यक्त किया

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देखा माण्डू का पुरातात्विक वैभव

धरमपुरी पहुंचकर माँ नर्मदा के किये दर्शन, भगवान शिव का अभिषेक और महर्षि दधिच की प्रतिमा का पूजन किया

धार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को रात्रि विश्राम माण्डू में किया। गुरूवार की प्रातः उन्होंने रुचिपूर्वक माण्डू के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक वैभव को देखा। मुख्यमंत्री ने यहां जहाज महल, हिंडोला महल का भ्रमण किया। पुरातत्व विभाग के अधिकारियों द्वारा उन्हें इन ऐतिहासिक धरोहरों के बारे में जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री ने गत रात्रि माण्डू में लाइट एंड साउंड शो के ज़रिए यहां के इतिहास को देखा। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, विधायक धरमपुरी कालूसिंह ठाकुर तथा अन्य जनप्रतिनिधि, संभागायुक्त दीपक सिंह, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा, पुलिस अधीक्षक मनोज सिंह एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने देखा खुरासानी इमली का प्राचीन पेड़ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज माण्डू भ्रमण के दौरान यहां पीडब्ल्यूडी के खुरासानी कोठी परिसर में लगे खुरासानी इमली के प्राचीन पेड़ को देखा। कलेक्टर धार प्रियंक मिश्र ने बताया कि माण्डू में खुरासानी के वृक्ष पाए जाते हैं, जिनमें से कुछ 500 वर्ष से भी अधिक पुराने हैं। खुरासानी कोठी परिसर के इस वृक्ष का तना 10.85 मीटर व्यास का है। खुरासानी इमली घना छायादार पेड़ होता है। यह पेड़ अपने भीतर सवा लाख लीटर पानी जमा करके रख सकता है। उल्लेखनीय है कि 14 वीं शताब्दी में ये पेड़ लगाए गए थे। कई पेड़ यहां पांच-छः सौ साल

पुराने हैं। पर्यटक माण्डू आने की स्मृति के तौर पर माण्डू की इमली खरीदकर ले जाते हैं। कई आदिवासी परिवारों को इसे बेचने से आय हो रही है। मूलतः यह वृक्ष अफ्रीका, अरब और मेडागास्कर पर पाया जाता है। ये पेड़ अति विशाल हैं, इसकी उम्र हज़ारों साल होती हैं। मराठीभाषी क्षेत्रों में इसे गोरखचिंच (चिंच याने इमली) कहकर सन्त गोरखनाथ से इसका पवित्र सम्बन्ध जोड़ा जाता है।

धरमपुरी में किया नर्मदा पूजन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जनप्रतिनिधियों के साथ धरमपुरी भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने धरमपुरी में नर्मदा दर्शन कर पूजन किया। धरमपुरी नर्मदा नदी के किनारे बसा हुआ नगर है। यहाँ नर्मदा नदी की दो धाराओं के बीच बेंट नामक एक टापू स्थित है, जहां श्री बिल्वामृतेश्वर महादेव का प्राचीन मंदिर स्थित है। मुख्यमंत्री ने यहां भगवान शिव का अभिषेक किया। मंदिर के निकट महर्षि दधिच की प्रतिमा का पूजन किया। उल्लेखनीय है कि पौराणिक मान्यता अनुसार यहां दधिच ऋषि की समाधि एवं तपस्या स्थली भी है। इसी स्थान पर इन्द्र स्वयं आये थे और दधिचि ऋषि से उन्होंने राक्षस के वध के लिये अस्थियां माँगी थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्री बिल्वामृतेश्वर महादेव मंदिर बैंट के हर तरह के संरक्षण के निर्देश अधिकारियों को दिये। इसके पश्चात वे वापस माण्डू हेलीपेड आये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव माण्डू हेलीपेड से बदनावर के लिए रवाना हुए। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, विधायक कालूसिंह ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मौजूद थे।

रक्तदान शिविर का हुआ आयोजन

उज्जैन

महावीर जन्म कल्याणक जयंती के उपलक्ष्य में एक विशाल रक्तदान शिविर आयोजित हुआ। स्वामी विवेकानन्द रक्त सेवा समिति के सहयोग से गुरु भक्त मंडल खाचरोद और जैन सोशल ग्रुप खाचरोद के तत्वाधान में संपन्न हुआ साथ ही, जिसमें स्वास्थ्य परिक्षण भी किया गया। इस शिविर में मातृ शक्ति और रक्त मित्रों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और मानवता का फर्ज निभाया। इस आयोजन में कुल 77 यूनिट रक्त एकत्रित हुआ। रक्त संग्रहण टीम मेडिकल कॉलेज रतलाम को दिया गया यह आयोजन न केवल महावीर जन्म कल्याणक जयंती का सम्मान करता है, बल्कि समाज में रक्तदान के महत्व को भी बढ़ावा देता है।

आबकारी विभाग बरेली द्वारा अवैध मदिरा के विरुद्ध कार्यवाही में अवैध हाथ भट्टी मदिरा,देशी मदिरा एवं महुआ लाहन जब्त, 10 प्रकरण कायम,8 आरोपी मौके से गिरफ्तार

बरेली-जिला कलेक्टर रायसेन अरुण कुमार विश्वकर्मा एवं सहायक आबकारी आयुक्त दीपक अवस्थी के निर्देशानुसार सहायक जिला आबकारी अधिकारी सुदीप तोमर एवं सहायक जिला आबकारी अधिकारी श्रीमती सरिता चंदेल के नेतृत्व में आबकारी उपनिरीक्षक वृत्त बरेली, राजेश विश्वकर्मा द्वारा क्षेत्र में अवैध मदिरा, विक्रय,परिवहन,संग्रहण एवं विनिर्माण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत प्राप्त सूचनाओं एवं शिकायतों के आधार पर ग्राम कासिया पाटनी में आरोपिया मोना, बिशना, एवं तारा रायसिख के रिहायशी मकानों की तलाशी में तीनों के घरों से 3 केनो में भरी 35 लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा जप्त की गई। पाटनी में ही स्थित झोरे में दबिश देकर 30 लीटर हाथ भट्टी मदिरा जप्त की गई तथा 2 लोहे एवं 08 प्लास्टिक के ड्रमों में रखा हुआ करीबन 1500 किलोग्राम अवैध मदिरा निर्माण हेतु तैयारशुदा गुड मिश्रित महुआ लाहन जप्त किया जाकर लाहन को मय पात्रों के मौके पर विधिवत रूप से नष्ट किया। तदोपरांत ग्राम नारदखेड़ा पहुंच आरोपियों लक्ष्मी बाई रायसिख के मकान पर दबिश देकर उसे 10 लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार किया। ग्राम नारदखेड़ा स्थित नहर के पास नाले में दविश देकर दो केनो में भरी हुई करीबन 30 लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा जप्त की गई तथा सात ड्रमों में भरा हुआ करीबन 1050 किलोग्राम महुआ लाहन जप्त कर उसे विधिवत् रूप से मय ड्रमों के नष्ट किया। प्रवर्तन की अग्रिम कार्यवाही में ग्राम केवलाझिर में आरोपियों राजकुमारी रायसिख एवं कमलेश साहू के मकान पर दविश देकर दोनों को 25 लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा के साथ रंगेहाथ गिरफ्तार किया गया। साथ ही ग्राम भारकच्छ में आरोपियों सत्यवती शिल्पी एवं नेपाल सिंह की किराना दुकान में दविश देकर 21 पाव देशी मदिरा के जप्त कर कब्जे आबकारी लिया गया। उक्तानुसार की गई कार्यवाही में कुल 10 न्यायालीन प्रकरण कायम किए गए जिसमें मौके से आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा दो आरोपी मौके से फरार होने में कामयाब रहे जिनके विरुद्ध अज्ञात में प्रकरण कायम कर विवेचना में लिए गए। आज की कार्यवाही में कायम किए गए दस प्रकरण में 120 बल्क लीटर अवैध हाथ भट्टी मदिरा,21 पाव देशी मदिरा जप्त कर कब्जा आबकारी लिया गया तथा 2550 किलोग्राम अवैध मदिरा निर्माण हेतु तैयारशुदा गुड मिश्रित लाहन जप्त किया जाकर उसे मौके पर विधिवत सैंपल लिया जाकर मय पात्रों के नष्ट किया गया ।

विधायक द्वारा संडावदा में निर्माण कार्य की सौगात

उज्जैन

नागदा खाचरोद विधानसभा क्षेत्र के ग्राम संडावदा में नवीन पंचायत भवन,नवीन आंगनवाड़ी भवन का लोकार्पण किया गया इसके साथ ही सीसी रोड़ लागत राशि 9.71 लाख का भी भूमि पूजन किया गया जिससे ग्रामीण जनों में खुशी का माहौल है इस अवसर पर ग्राम वासियों ने क्षेत्र के विधायक डॉ तेज बहादुर सिंह चौहान को धन्यवाद ज्ञापित किया और इस कार्यक्रम के अवसर पर सरपंच पार्टी के पदाधिकारी गण कार्यकर्ता एवं ग्रामीण बंधु और वरिष्ठ जन उपस्थित रहे !

मिशन 3D सफल बनाने में लगी पुलिस तो आबकारी विभाग आंखे मूंदकर A/C में बैठा है

अलीराजपुर पुलिस ने दो थाना क्षैत्रों से 475 बल्क लीटर शराब कीमती 2 लाख 70 हजार रूपये, 01 आरोपी एवं 01 वाहन कीमती 5 लाख रूपये का जप्त किया गया।

अलीराजपुर जिले की पुलिस अपने कप्तान के नेतृत्व में आदिवासी समाज के उत्थान का जो बीड़ा पुलिस अधीक्षक अलीराजपुर राजेश व्यास ने उठाया ओर शराब के विरुद्ध गांव गांव जाकर इसके दुष्परिणाम ओर त्यागने की बात करते हुए मिशन 3D को सफल बनाने के लिए जिजान से मेहनत कर रहे उसके सुखद परिणाम भी आ रहे है वही पुलिस अधीक्षक के नेतृत्व में थाना सोरवा एवं आजादनगर मे दो अलग-अलग स्थानों से अवैध शराब के विरूद्ध कार्यवाही कर बडी मात्रा मे शराब जप्त करने मे सफलता प्राप्त की है। दिनांक 09.04.2025 को थाना प्रभारी सोरवा निरीक्षक दिनेश भंवर को मुखबीर द्वारा सूचना प्राप्त हुई कि ग्राम अंधारकांच निवासी दिनेश पिता कांजी के घर के पीछे मक्का की सुखे चारे मे अवैधरूप से शराब छुपा कर रखी है, जिस पर अनुविभागीय अधिकारी पुलिस अलीराजपुर अश्विनी कुमार के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी सोरवा एवं उनकी अधीनस्थ टीम के द्वारा मुखबीर द्वारा बताये स्थान दिनेश पिता कांजी के मकान पर दबिश देकर घर के पीछे रखी मक्का की सुखे चारे की तलाशी लेनें पर चारे के नीचे अवैधरूप से शराब के पेटीयां रखी हुई थी, तभी घर के पीछे खडा व्यक्ति पुलिस टीम को देखकर भागनें लगा, जिसे पुलिस टीम के द्वारा पकडा गया, जिससे पूछताछ करते उसके द्वारा अपना नाम दिनेश पिता कांजी कनेश 28 साल, निवसी ग्राम अंधारकांच का होना बताया तथा उससे अवैध शराब के बारे मे जानकारी लेते उसके द्वारा कोई संतोषप्रद जवाब नहीं दिया गया। पुलिस टीम के द्वारा 355 बल्क लीटर किमती 2,44,380 रुपये कि आरोपी दिनेश पिता कांजी कनेश 28 साल, निवसी ग्राम अंधारकांच के द्वारा अवैधरूप से घर में संगृहित करके रखी हुई थी, जिस पर अवैध शराब को विधिवत जप्त कर आरोपी के विरूद्ध अपराध क्र.51/2025 धारा 34(2),36 आब. एक्ट का पंजीबध्द कर आरोपी को गिरफतार कर प्रकरण अनुसंधान मे लिया गया। इसी प्रकार थाना आजादनगर क्षैत्रान्तर्गत एक अन्य प्रकरण में दिनांक 10.04.2025 को को थाना प्रभारी आजादनगर निरीक्षक शिवराम तरोले को रात्रि गश्त के दौरान अवैध शराब परिवहन की सूचना प्राप्त हुई। अनुविभागीय अधिकारी पुलिस जोबट नीरज नामदेव के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी आजादनगर एवं उनकी अधीनस्थ टीम के द्वारा बरझर रोड पर नाकेबंदी की गई, तभी बरझर तरफ से एक काले रंग का स्कार्पियों वाहन आते हुई दिखाई दिया, जिसे पुलिस टीम ने रोकने का प्रयास किया परंतु रात्रि होनें के कारण स्कार्पियो वाहन के चालक ने चालाकी से वाहन साईड मे से निकालकर भागने लगा, जिसे पुलिस टीम के वाहन द्वारा लगातार पीछा करने पर वाहन चालक के द्वारा ग्राम कुक्षी मे स्कार्पियों वाहन क्रमांक जीजे 12 जे 5805 को रात्रि होनें का फायदा उठाकर भाग गया। पुलिस टीम के द्वारा वाहन की तलाशी लेनें पर 10 पेटी माउण्टस बीयर कुल 120 बल्क लीटर कीमती रूपये 26400/- एवं स्कार्पियों वाहन कीमती 5 लाख रूपये का जप्त कर अज्ञात वाहन चालक के विरूद्ध अपराध क्र.131/2025 धारा 34(2),46 आब. एक्ट का पंजीबध्द कर प्रकरण अनुसंधान मे लिया गया। पुलिस अधिक्षक राजेश व्यास ने बताया कि अवैध शराब के विरूद्ध अलीराजपुर की लगातार निगाह संपूर्ण जिले के थानाक्षैत्रों मे बनी होकर लगातार कार्यवाही की जा रही है। इस प्रकार अवैध शराब के विरूद्ध आगे भी कार्यवाही जारी रहेगी। संघर्ष से सिद्धि समाचार पत्र परिवार पुलिस की मिशन 3D की सफलता की कामना करता है

शिक्षक संघ ने किया स्वागत

उज्जैन

शहर में निकले भगवान महावीर स्वामी के जन्म कल्याण के चल समारोह का मध्य प्रदेश शिक्षक संघ के द्वारा पूजन अर्चन कर स्वागत किया गया, इस अवसर पर ब्लॉक अध्यक्ष दीपक घोचा, तहसील अध्यक्ष भागीरथ नंदेडा, तहसील कोषाध्यक्ष अजय चौहान सहसचिव शत्रुघ्न सिसोदिया, जगदीश उपाध्याय, अशोक जैन, नारायण पोपंडिया, अरविंद चौरसिया, मनोहर खेमसरा, यशवंत मदारिया, अभय जैन आदि सदस्य उपस्थित थे !

सोनगरा के निधन से शोक मय हुआ नगर

झाबुआ

झाबुआ- वरिष्ठ पत्रकार एवं मेघनगर पत्रकार संघ के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह सोनगरा, भाई नरेन्द्र सिंह (संजु) के पिता श्री मुकेन्द्र सिंह सोनगरा के निधन का समाचार सुनते ही नगर में शोक छा गया सोनगरा मिलन सार संघर्षशील व्यक्तित्व के धनी थे आपका एक सपना था के नगर में भिक्षावृत्ति बंद हो इसी उद्देश्य को लेकर राम रोटी अणु दरबार में निराश्रित लोगों के लिए भोजन शाला में काफी दिनों तक अपनी सेवाएं देते रहें ओर वर्तमान में प्रति दिन मोहल्ले में घुम कर स्वान को रोटी खिलाने का कार्य कर रहे थे दिनांक 9 अप्रैल को अचानक सिने में दर्द होंने ओर हृदय गति रुकने से निधन हो गया । सोनगरा को 10 अप्रैल को उनके निजी निवास से शव यात्रा निकाली गई जिसमें सेंकड़ों कि संख्या में नगर के गणमान्य नागरिक समाज सेवी एवं पत्रकार सामिल हुए शामिल सभी लोगों ने मुक्तिधाम पर दिवंगत आत्मा को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की ।

जन जागरूकता हेतु दीवारों पर किया गया नारा लेखन

झाबुआ

झाबुआ- प्रदेश के मुखिया डॉ. मोहन यादव की महत्वकांक्षी योजना जल गंगा संवर्धन अभियान में पूरे मध्य प्रदेश में जल संरक्षण हेतु जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। उसी कड़ी में जिला झाबुआ में कलेक्टर महोदया नेहा मीना के आदेश एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद झाबुआ जिला समन्वयक भीम सिंह डामोर के मार्ग दर्शन ओर ब्लॉक समन्वयक तोलिया डामोर के निर्देशन में परिषद की नवांकुर संस्थाए, प्रस्फुटन समिति,मेंटर्स, सी एम सी एल डी पी छात्र सभी मिलकर अपने ग्रामों में जल स्त्रोतों के संरक्षण हेतु विभिन्न गतिविधि जिसमें तालाब,नदी, बावड़ियों, हैंडपंप की साफ सफाई ,संगोष्ठी, जल संरक्षण हेतु शपथ, नारा लेखन जैसे कार्य कर रहे है। आज सेक्टर कल्याणपुरा नवांकुर संस्था संस्कृति युवा मंडल समिति भगोर द्वारा ग्राम भगोर, नवापाड़ा, जुलवानिया ग्रामों में दीवारों पर जल संरक्षण हेतु नारा लेखन का कार्य किया गया। जैसे - पानी है अनमोल, सोच समझकर ढोल, जल ही जीवन है, पानी की कीमत को समझे, इसे बचाइए। ये नारे ऐसी जगहों पर लिखे गए , जहां रोजाना सैकड़ों लोगों का आना जाना होता है। निश्चित ही वे इन जल संरक्षण के नारो को पड़ेंगे, ओर जल संरक्षण हेतु प्रेरित होंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने देखा माण्डू का पुरातात्विक वैभव

धरमपुरी पहुंचकर माँ नर्मदा के किये दर्शन, भगवान शिव का अभिषेक और महर्षि दधिच की प्रतिमा का पूजन किया

धार मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को रात्रि विश्राम माण्डू में किया। आज गुरूवार की प्रात: उन्होंने रुचिपूर्वक माण्डू के ऐतिहासिक एवं पुरातात्विक वैभव को देखा। मुख्यमंत्री जी ने यहां जहाज महल, हिंडोला महल का भ्रमण किया। पुरातत्व विभाग के अधिकारियों द्वारा उन्हें इन ऐतिहासिक धरोहरों के बारे में जानकारी दी गई। मुख्यमंत्री जी ने गत रात्रि माण्डू में लाइट एंड साउंड शो के ज़रिए यहां के इतिहास को देखा। इस अवसर पर केन्द्रीय राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, विधायक धरमपुरी श्री कालूसिंह ठाकुर तथा अन्य जनप्रतिनिधि, संभागायुक्त श्री दीपक सिंह, कलेक्टर श्री प्रियंक मिश्रा, पुलिस अधीक्षक श्री मनोज सिंह एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने देखा खुरासानी इमली का प्राचीन पेड़

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज माण्डू भ्रमण के दौरान यहां पीडब्ल्यूडी के खुरासानी कोठी परिसर में लगे खुरासानी इमली के प्राचीन पेड़ को देखा। कलेक्टर धार श्री प्रियंक मिश्र ने बताया कि माण्डू में खुरासानी के वृक्ष पाए जाते हैं, जिनमें से कुछ 500 वर्ष से भी अधिक पुराने हैं। खुरासानी कोठी परिसर के इस वृक्ष का तना 10.85 मीटर व्यास का है। खुरासानी इमली घना छायादार पेड़ होता है। यह पेड़ अपने भीतर सवा लाख लीटर पानी जमा करके रख सकता है। उल्लेखनीय है कि 14वीं शताब्दी में ये पेड़ लगाए गए थे। कई पेड़ यहां पांच-छ: सौ साल पुराने हैं। पर्यटक माण्डू आने की स्मृति के तौर पर माण्डू की इमली खरीदकर ले जाते हैं। कई आदिवासी परिवारों को इसे बेचने से आय हो रही है। मूलत: यह वृक्ष अफ्रीका, अरब और मेडागास्कर पर पाया जाता है। ये पेड़ अति विशाल हैं, इसकी उम्र हज़ारों साल होती हैं। मराठीभाषी क्षेत्रों में इसे गोरखचिंच (चिंच याने इमली) कहकर सन्त गोरखनाथ से इसका पवित्र सम्बन्ध जोड़ा जाता है।

धरमपुरी में किया नर्मदा पूजन

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जनप्रतिनिधियों के साथ धरमपुरी भी पहुंचे। मुख्यमंत्री ने धरमपुरी में नर्मदा दर्शन कर पूजन किया। धरमपुरी नर्मदा नदी के किनारे बसा हुआ नगर है। यहाँ नर्मदा नदी की दो धाराओं के बीच बेंट नामक एक टापू स्थित है, जहां श्री बिल्वामृतेश्वर महादेव का प्राचीन मंदिर स्थित है। मुख्यमंत्री ने यहां भगवान शिव का अभिषेक किया। मंदिर के निकट महर्षि दधिच की प्रतिमा का पूजन किया। उल्लेखनीय है कि पौराणिक मान्यता अनुसार यहां दधिच ऋषि की समाधि एवं तपस्या स्थली भी है। इसी स्थान पर इन्द्र स्वयं आये थे और दधिचि ऋषि से उन्होंने राक्षस के वध के लिये अस्थियां माँगी थी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने श्री बिल्वामृतेश्वर महादेव मंदिर बैंट के हर तरह के संरक्षण के निर्देश अधिकारियों को दिये। इसके पश्चात वे वापस माण्डू हेलीपेड आये। मुख्यमंत्री डॉ. यादव माण्डू हेलीपेड से बदनावर के लिए रवाना हुए। स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने उन्हें भावभीनी विदाई दी। इस अवसर पर केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर, विधायक श्री कालूसिंह ठाकुर सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारीगण मौजूद थे।

जल संरक्षण हेतु श्रमदान कर दीवारों पर किया गया नारा लेखन

झाबुआ- मुख्यमंत्री मोहन यादव की महत्वकांक्षी योजना जल गंगा संवर्धन अभियान इस समय झाबुआ जिले में पूरे जोरों से चलाया जा रहा है । जिसके अंतर्गत जल स्त्रोतों की साफ सफाई का कार्य हो रहा है। और ग्रामीणों में जल स्त्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूकता भी पैदा की जा रही है। ईस अभियान की अवधि 30 मार्च से 30 जून रखी गई है । इसी कड़ी में आज ग्राम खैरमांल में जिला कलेक्टर नेहा मीना के आदेश एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला समन्वयक भीम सिंह डामोर एवं ब्लॉक समन्वयक तोलिया डामोर के निर्देशन में ग्राम बैठक एवं श्रमदान एवं जल संरक्षण के संकल्प का कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम के बामनिया फलिया में बैठक का आयोजन किया गया । जिसमें मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद झाबुआ के ब्लॉक समन्वयक तोलिया डामोर ने बताया की वर्तमान में गर्मी बढ़ती ही जा रही है।हमें पानी की हर बूंद को बचाना है और हमारे जल स्त्रोतों की साफ सफाई करना बहुत ही जरूरी है । वरना हमें जल संकट झेलना पड़ सकता है।ओर हम सोखता गड्ढे के माध्यम से जल सहेंजेगे तो हमें यही जल जमीन में रिचार्ज होकर शुद्ध हो पीने को वापस प्राप्त होगा। इसलिए हमें मिलकर ग्राम के जल स्त्रोतों को साफ रखना चाहिए। नवांकुर सेक्टर प्रभारी अनिल खपेड़ ने भी ग्राम वासियों को जल बचाने हेतु आगे आने का आव्हान किया। इसके पश्चात समीपस्थ हैंड पंप के आसपास के साफ-सफाई ग्रामीण, महिला ओर बच्चों के द्वारा की गई । और सोखता गड्ढे को गहरा किया गया। ओर सभी को जल संरक्षण की शपथ राजेश बैरागी द्वारा दिलाई गई। इसके पश्चात ग्राम खेरमॉल, तलावली में स्कूल,मंदिर,पंचायत की दीवारों पर जल संरक्षण हेतु नारों का लेखन किया गया। इस कार्यक्रम में सेक्टर प्रभारी अनिल खपेड़, राजेश बैरागी, मेंटर्स प्रकाश मेड़ा, रत्ना बामनिया, दितीया बामनिया, मडिया बागुल ओर महिलाएं एवं बच्चों ने भी सहभागिता की।

महेश्वर से निकली 5 दिन की माहिष्मती नर्मदा पंचकोशी यात्रा का कसरावद में हुआ अगमन

संगठनों एवं श्रद्धालुओं ने किया जगह-जगह स्वागत

महेश्वर से निकली महिष्मति नर्मदा पंचकोशी यात्रा का गुरुवार को चौथे दिन कृषि उपज मंडी कसरावद नगर में आगमन हो गया पंचकोशी यात्रा में शामिल होने आए हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का सिलसिला बुधवार देर - रात से ही नगर में आना शुरू हो गया। जीवन दायिनी मां नर्मदा की परिक्रमा के लिए विभिन्न स्थान के श्रद्धालु ध्वज लेकर नर्मदे हर, बम भोले, ओम नम: शिवाय, जय घोष के साथ हजारों परिक्रमा वासियों का कारंवा शहर के मुख्य मार्गो से गुजरा। बताया जा रहा है कि पंद्रह हजार से अधिक पंचकोशी यात्री यात्रा में शामिल हुए।। यह पंचकोशी यात्रा 41 साल से निकल रही है । इस दौरान जगह-जगह संगठनों भक्तों द्वारा स्वागत भी किया गया इसके बाद पंचकोशी यात्री मुख्य मार्गो से होते हुए कृषि उपज मंडी परिसर पहुंचे कसरावद नगर के समिति श्रद्धालुओं द्वारा जन सहयोग से भंडारे का आयोजन किया गया। यहां प्रसादी ग्रहण करने के बाद पंचकोशी यात्री अपने अपने टोलियों के साथ भजन, कीर्तन करते हुए नजर आए। या रात्रि विश्राम कर सुबह भिलगांव, डोंगरगांव होते हुए ग्राम ढालखेड़ा पहुंचेगी। वहीं पुलिस प्रशासन भी मुस्तैद रहा।

शिमला के जोनांग बौद्ध मठ से दो नाबालिग भिक्षुओं का अपहरण

इनमें से एक का संबंध अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर और दूसरे का पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग से

शिमला। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के उपनगर संजौली के ऐतिहासिक जोनांग बौद्ध मठ से दो नाबालिग भिक्षुओं के अचानक गायब हो जाने से हड़कंप मच गया है। इनमें से एक की उम्र 12 और दूसरे की 13 वर्ष है। दोनों 10 अप्रैल की दोपहर 12 से दो बजे के बीच गायब हुए हैं। मठ से सूचना मिलने के बाद स्थानीय पुलिस ने अपहरण का केस दर्ज कर लापता भिक्षुओं की तलाश शुरू कर दी है। जोनांग बौद्ध मठ के प्रबंधक पेमा फुंटसोक की थाना ढली में दर्ज करवाई गई गुमशुदगी की एफआईआर में यह विवरण दिया गया है। एफआईआर के अनुसार, दोनों बचे सामान्य दिनचर्या में शामिल हुए। इस दौरान उनकी किसी भी तरह की कोई असामान्य गतिविधि नहीं दिखी। जब मठ परिसर में उनकी तलाश की गई और वे नहीं मिले तब पुलिस को सूचित किया गया। लापता दोनों बचे अलग-अलग रायों से हैं। इनमें से एक का संबंध अरुणाचल प्रदेश के ईटानगर जिला और दूसरे का पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग क्षेत्र से है। ढली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 137(2) के तहत अपहरण का केस दर्जकर दोनों के गृह रायों की पुलिस को उनकी पहचान और उनके मूल निवास स्थान के बारे में सूचित किया है। ढली पुलिस ने आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले हैं। मठ के अन्य भिक्षुओं और कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा रही है। यह मठ जोनांग टेकन फुत्सोक चोलिंग मठ के नाम से जाना जाता है। यह देश में इस परंपरा का इकलौता मठ है। इसकी स्थापना वर्ष 1963 में अमदो लामा जिनपा ने की थी। इसे पहले सांगे चोलिंग के नाम से जाना जाता था। यह मठ संजौली की एक पहाड़ी पर है। यहां वर्तमान में 100 से अधिक भिक्षु रहते हैं। यह मठ तिब्बती बौद्ध परंपरा से जुड़ा हुआ है। यह मठ भिक्षुओं को बौद्ध धर्म की पद्धतियों के प्रशिक्षण देने के उद्देश्य से संचालित होता है। यहां से प्रशिक्षित भिक्षु समुदाय की सेवा और शांति के संदेश के प्रसार में अपनी भूमिका निभाते हैं। मठ की विशेष परंपरा यह भी है कि भिक्षु तिब्बती रीति के अनुसार पहाड़ी की ऊंची चोटी पर रंग-बिरंगे प्रार्थना झंडे बांधते हैं। मठ प्रबंधन ने दोनों बचों के अचानक लापता होने पर चिंता जताई है। प्रबंधन ने आम लोगों से भी अनुरोध किया है कि यदि कहीं बचों के बारे में कोई जानकारी मिले तो तुरंत पुलिस या मठ प्रबंधन को सूचित करें। शिमला पुलिस के एक अधिकारी ने शुक्रवार को बताया कि बचों की तलाश के हरसंभव प्रयास किए जा रहे हैं।

पाकिस्तान ने मानवाधिकार संगठनों के आह्वान को ठुकराया

कहा-अफगान नागरिक कार्ड धारकों मुल्क से जाना ही होगा

इस्लामाबाद। पाकिस्तान से अफगान नागरिकों के निर्वासन को रोकने के मानवाधिकार संगठनों के आह्वान को संघीय सरकार ने ठुकरा दिया। गृह राज्यमंत्री तलाल चौधरी ने कड़े शब्दों में कहा कि अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों के प्रत्यावर्तन की समय सीमा में किसी भी तरह का विस्तार नहीं किया जाएगा। यह समय सीमा 31 मार्च को समाप्त हो चुकी है। एसीसी कार्ड धारक अफगानिस्तान के नागरिकों को मुल्क से जाना ही होगा। डान अखबार की खबर के अनुसार, तलाल चौधरी ने संवाददाता सम्मेलन में गुरुवार को कहा कि दूसरे देशों का वीजा का इंतजार कर रहे लोगों के लिए पूरी तरह छूट संभव नहीं है, लेकिन व्यक्तिगत मसलों पर विचार किया जा सकता है। बावजूद इसके पश्चिमी देशों में पुनर्वास की प्रतीक्षा कर रहे हजारों अफगान शरणार्थियों को पाकिस्तान से निर्वासित कर दिया जाएगा, यदि उनके मेजबान देश उन्हें 30 अप्रैल तक स्थानांतरित नहीं करते हैं। उन्होंने बताया कि अब तक

857,157 गैर-दस्तावेज विदेशी नागरिकों को उनके देश वापस भेजा जा चुका है। उन्होंने याद दिलाया कि अवैध विदेशी नागरिकों को वापस भेजने की नीति अक्टूबर 2023 से लागू है और इसके चरणों को सूचीबद्ध किया गया है। पहले चरण में बिना कानूनी दस्तावेजों के अनिर्दिष्ट विदेशियों को वापस भेजा गया। दूसरे चरण में अफगान नागरिक कार्ड धारकों को वापस भेजा जा रहा है। तीसरे चरण में जिनके पास पंजीकरण प्रमाण (पीओआर) कार्ड हैं, उन्हें निर्वासित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन लोगों को निष्कासित करने का निर्णय वर्तमान जमीनी हकीकत और सुरक्षा चिंताओं के मद्देनजर लिया गया है। उन्होंने दावा किया कि यह देखा गया है कि अफगान नागरिक पाकिस्तान में नशीले पदार्थों के व्यापार और आतंकवाद में शामिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि इन लोगों को आश्रय, भोजन, चिकित्सा देखभाल और परिवहन सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। पंजीकृत अफगान नागरिकों का आंकड़ा साझा करते हुए मंत्री ने कहा कि 815,247 अफगान नागरिक कार्ड धारक हैं, जबकि 1,469,522 पीओआर कार्यक्रम के तहत पंजीकृत हैं।

चीन-अमेरिका में बढ़ी तनातनी के कारण सोने तोड़े सारे रिकॉर्ड, 10 ग्राम गोल्ड 92000 के पार

नई दिल्ली. एक ओर जहां अमेरिका और चीन में जारी टैरिफ वॉर से हलचल मची है, तो वहीं दो आर्थिक शक्तियों के बीच तनातनी के बीच सोने की कीमत अपने सारे रिकॉर्ड तोड़ती जा रही है. गुरुवार को मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर सोना पहली बार 92,000 प्रति 10 ग्राम के पार निकल गया, तो दूसरी ओर घरेलू मार्केट में सोना 90,000 के पार बना हुआ है.

पहली बार 92 हजारी हुआ त्नश्चद्यस्त्र

दुनिया में जारी अनिश्चितता के बीच Gold Price में तेज उछाल जारी है. गुरुवार को MCX पर कारोबार के दौरान सोने की कीमत ने नया रिकॉर्ड लेवल छू लिया. 5 जून की एक्सपायरी वाले 10 ग्राम त्नश्चद्यस्त्र की कीमत 92,400 रुपये तक जा पहुंची, हालांकि फिर इसमें मामूली गिरावट आई और ये 92,050 रुपये दर्ज किया गया. ऐसा पहली बार है जबकि सोने का भाव 92,000 रुपये के पार निकला है. मतलब ये गोल्ड प्राइस का अब तक का सबसे हाई लेवल है.

सोमवार से अब तक 5472 महंगा

इस हफ्ते की शुरुआत में जहां सोने की वायदा कीमत में गिरावट देखने को मिली थी, तो वहीं हफ्ते के पहले कारोबारी दिन से गुरुवार 10 अप्रैल तक 10 ग्राम सोने का भाव 5,472 रुपये तक चढ़ गया है. जी हां, सोमवार को एमसीएक्स पर सोने का दाम 86,928 रुपये प्रति 10 ग्राम था, जो गुरुवार को 92,400 रुपये तक जा पहुंचा.

घरेलू मार्केट में क्या है भाव?

एमसीएक्स पर जहां सोने ने पुराने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, तो वहीं घरेलू मार्केट में भी इसकी कीमत 90,000 रुपये के पार बनी हुई है. इंडियन बुलियन ज्वैलर्स एसोसिएशन की वेबासाइट IBJA.Com के मुताबिक, 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का भाव 90,160 रुपये चल रहा है. वहीं 22 कैरेट गोल्ड का रेट 88,000 रुपये, 20 कैरेट का भाव 80,240 रुपये प्रति 10 ग्राम चल रहा है. इसके अलावा 18 कैरेट गोल्ड का रेट 73,030 रुपये है.

बता दें आईबीजेए के गोल्ड रेट बिना मेकिंग चार्ज और त्नस्ञ्ज के हैं, इनके जुड़ने से दाम में बदलाव हो सकता है. IBJA की तरफ से जो रेट जारी किए जाते हैं वे देशभर के लिए सामान होते हैं. अगर आप गोल्ड या सिल्वर खरीदते हैं या बनवाते हैं तो आपको मेकिंग चार्ज पर अलग से जीएसटी और मेकिंग चार्ज देना होगा.

अचानक सोने की कीमतें चढ़ने की वजह बात करें, सोने की कीमतों (Gold Rate) में आए जोरदार उछाल के पीछे के कारणों के बारे में तो अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ वार से पैदा हुई अनिश्चितत और मंदी की आशंकाओं के बीच सोने की कीमतों में बढ़त दर्ज की गई है और US-China के बीच बढ़ती तनातनी ने इसमें और तेजी ला दी है.

गौरतलब है कि सोने को निवेश का बेहतर और सुरक्षित विकल्प माना जाता है और किसी भी अनिश्चितता के माहौल में इसकी डिमांड और दाम दोनों बढ़ते नजर आते हैं. ऐसे में टैरिफ से शुरू हुए ट्रेड वॉर के दौरान Gold नई बुलंदियों पर पहुंच रहा है.

मिस्ड कॉल से चेक करें गोल्ड सिल्वर प्राइस

गोल्ड और सिल्वर की प्राइस आप एक मिस्ड कॉल के जरिए भी चेक कर सकते हैं. इसके लिए आपको नीचे दिए गए नंबर 8955664433 पर कॉल कर करना होगा. मिस्ड कॉल के कुछ ही देर के बाद आपको बाद SMS के जरिए रेट पता लग जाएंगे. इसके अलावा आधिकारिक वेबसाइट ibjarates.com पर जाकर भी रेट चेक कर सकते हैं.

Gold की शुद्धता को ऐसे जाचें

बता दें कि देश भर में सोने के आभूषणों की कीमत उत्पाद शुल्क, राज्यों के कर और मेकिंग चार्ज के कारण बदलती रहती है. यहां बता दें कि आभूषण बनाने के लिए ज्यादातर 22 कैरेट का ही इस्तेमाल होता है, वहीं कुछ लोग 18 कैरेट सोने का भी इस्तेमाल करते हैं. आभूषण पर कैरेट के हिसाब से हॉल मार्क दर्ज होता है. 24 कैरेट सोने के आभूषण पर 999 लिखा होता है, जबकि 23 कैरेट पर 958, 22 कैरेट पर 916, 21 कैरेट पर 875 और 18 कैरेट पर 750 लिखा होता है.

आतंकवाद से निपटने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे- अमेरिका

वाशिंगटन। मुंबई हमले के साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा के अमेरिका से भारत प्रत्यर्पण की सफल प्रक्रिया के बाद अमेरिका ने आतंकवाद के खिलाफ भारत के साथ एकजुटता दिखाई है। अमेरिका ने कहा है कि आतंकवाद से निपटने के लिए वो आगे भी मिलकर काम करना जारी रखेगा। अमेरिकी विदेश विभाग की प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने गुरुवार देर रात कहा कि 09 अप्रैल को संयुक्त राज्य अमेरिका ने तहव्वुर हुसैन राणा को भारत को प्रत्यर्पित किया, ताकि वह 2008 के मुंबई आतंकवादी हमलों की योजना बनाने में उसकी भूमिका के लिए न्याय का सामना कर सके। इन हमलों के परिणामस्वरूप छह अमेरिकियों सहित 166 लोगों की दुखद मृत्यु हुई, जिसने पूरी दुनिया को झकझोर कर रख दिया। प्रवक्ता ब्रूस ने आगे कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका ने लंबे समय से भारत के प्रयासों का समर्थन किया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि इन हमलों के लिए जिम्मेदार लोगों को न्याय के कटघरे में लाया जाए। और जैसा कि राष्ट्रपति ट्रम्प ने कहा है, संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत आतंकवाद के वैश्विक संकट से निपटने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे। हमें अपनी इस योजना की गतिशीलता पर गर्व है।

न्यूयॉर्क में हेलीकॉप्टर हादसा, हवा में दो टुकड़ों में बंटा, हडसन नदी में गिरा, छह की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिका में न्यूयॉर्क के मैनहट्टन में गुरुवार दोपहर लगभग तीन बजे को भीषण हेलीकॉप्टर हादसे में छह लोगों की मौत हो गई। इनमें तीन बच्चे और तीन व्यस्क शामिल हैं। यह सभी स्पेन के रहने वाले हैं। यह लोग हेलीकॉप्टर से सैर-सपाटा करने निकले थे। हेलीकॉप्टर हवा में दो टुकड़ों में बंटकर हडसन नदी में गिर गया। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ट्रुथ सोशल पर दुर्घटना को भयानक बताते हुए कहा कि दुर्घटना का फुटेज भयावह है। उन्होंने लिखा कि भगवान पीड़ितों के परिवारों और दोस्तों को दुख सहने करने की क्षमता प्रदान करे। एनबीसी न्यूज के अनुसार, अधिकारियों ने बताया कि जॉर्ज वॉशिंगटन ब्रिज पर न्यू जर्सी तटरेखा के साथ आगे बढ़ने के लिए मुड़ने के कुछ ही समय बाद हेलीकॉप्टर ने नियंत्रण खो दिया। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में यह हेलीकॉप्टर आसमान से सीधे नदी में गिरते हुए दिख रहा है। एक प्रत्यक्षदर्शी ने कहा कि उसने हेलीकॉप्टर टूटकर नदी में गिरते देखा। इस दौरान तेज आवाज सुनाई दी। एबीएस-डी एक्सचेंज के डेटा से यह खुलासा हुआ है कि हेलीकॉप्टर ने लोअर मैनहट्टन से उड़ान भरी थी। यह हडसन नदी के किनारे उत्तर की ओर चला और दक्षिण की ओर लौटते समय दुर्घटनाग्रस्त हो गया। मौसम विज्ञान केंद्र के अनुसार, दुर्घटना के समय दक्षिण और दक्षिण-पूर्व से 9 से 12 मील प्रति घंटे की गति से हवा चल रही थी। राष्ट्रीय समुद्र विज्ञान और वायुमंडलीय प्रशासन ने बताया कि दृश्यता 10 मील तक थी। क्षेत्र में हल्की बारिश जरूर हुई थी। उड़ान भरते समय या दुर्घटना के समय नहीं सिर्फ तेज हवा चल रही थी। फ्लाइटअवेयर के डेटा के अनुसार, इसकी ऊंचाई अपने उच्चतम स्तर पर 1,000 फीट से थोड़ी अधिक थी। मगर वह बादलों की ऊंचाई से काफी नीचे थी। अधिकारियों के अनुसार, यह पर्यटन हेलीकॉप्टर है। यह वॉल स्ट्रीट हेलीपोर्ट से दोपहर 2÷59 बजे उड़ा और मैनहट्टन के दक्षिणी भाग से होते हुए स्टैच्यू ऑफ लिबर्टी के चारों ओर चक्कर लगाता हुआ मैनहट्टन के पश्चिमी भाग की ओर बढ़ गया। इसके बाद जॉर्ज वॉशिंगटन ब्रिज के पास घूमा और न्यू जर्सी तटरेखा के साथ दक्षिण की ओर मुड़ा। दोपहर लगभग तीन बजे के बाद दो टुकड़ों में बंटकर हडसन नदी में गिर गया। सूचना मिलते ही पुलिस और अग्निशमनकर्मी घटनास्थल पर पहुंचे। मेयर एरिक एडम्स ने शाम को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि सभी मरने वाले यात्री

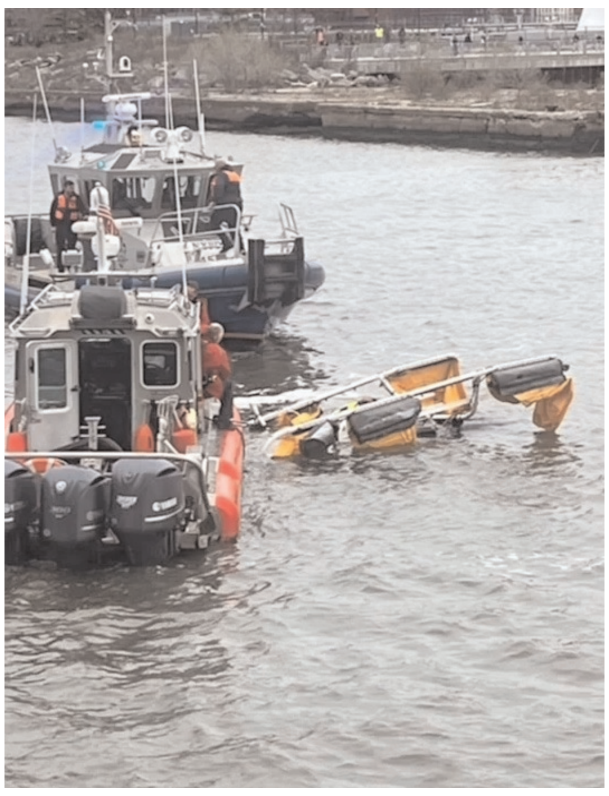

स्पेन के हैं। इनमें तीन बच्चे और तीन वयस्क हैं। पुलिस आयुक्त जेसिका टिश ने संवाददाताओं को बताया कि पुलिस और अग्निशमन गोताखोरों ने हेलीकॉप्टर में सवार सभी छह लोगों को नदी से बाहर निकाला। इनमें चार को घटनास्थल पर ही मृत घोषित कर दिया गया और दो अन्य को अस्पताल ले जाया गया। वहां इलाज के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार को सूचित किए जाने तक मृतकों के नामों का खुलासा नहीं किया सकता। हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

दिल्ली के चांदनी चौक से आज निकलेगी सम्राट विक्रमादित्य की शोभा यात्रा

दिल्ली में कल से होगा तीन दिवसीय विक्रमादित्य महानाट्य का महामंचन

भोपाल। मध्य प्रदेश शासन द्वारा 'विक्रमोत्सव 2025' के अंतर्गत देश और प्रदेश की सभी पीढ़ियों को सम्राट विक्रमादित्य के जीवन चरित्र, विशेषकर उनके पराक्रम, शौर्य, दानशीलता, न्यायप्रियता और सुशासन से अवगत कराया जा रहा है। इसी श्रृंखला में दिल्ली में 12 से 14 अप्रैल तक लाल किला मैदान के माधव दास पार्क में सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य का भव्य मंचन किया जाएगा। इसके पहले आज दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के मुख्य आतिथ्य में फतेहपुरी, चांदनी चौक से लाल किला तक सम्राट विक्रमादित्य की शोभा यात्रा निकाली जाएगी।जनसम्पर्क अधिकारी जकिया रूही ने बताया कि महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा आयोजित इस महानाट्य में प्रस्तुति उज्जैन की विशाला सांस्कृतिक एवं लोकहित समिति द्वारा दी जाएगी। महानाट्य का लेखन पद्मश्री डॉ. भगवतीलाल राजपुरोहित और निर्देशन संजीव मालवीय का है। महानाट्य में विक्रमादित्य के जन्म से लेकर सम्राट बनने तक की गाथाएं लगभग 250 कलाकारों द्वारा प्रदर्शित की जाएंगी। महानाट्य के दृश्यों को सजीव बनाने के लिए पालकी, रथ, घोड़ों और एलईडी ग्राफिक्स के स्पेशल इफेक्ट का प्रयोग किया जाएगा।उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा से राज्य सरकार 'विरासत से विकास' के ध्येय वाक्य पर काम कर रही है। इसी क्रम में अतीत के गौरवशाली नायकों के जीवन के अलग-अलग पहलुओं को जनता के सामने लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। विक्रम संवत के प्रवर्तक सम्राट विक्रमादित्य का शासन काल भारतीय साहित्य, ज्योतिष, आयुर्वेद, गणित और चिकित्सा विज्ञान का स्वर्णिम युग भी रहा है, जिसे सम्राट विक्रमादित्य महानाट्य के माध्यम से जीवंत कर जनता के बीच प्रस्तुत किया जाएगा।प्रदर्शनी और फूड कोर्ट में दिखेगी प्रदेश की मनमोहक झलक जनसम्पर्क अधिकारी जकिया रूही ने बताया कि कार्यक्रम में महाराजा विक्रमादित्य शोधपीठ द्वारा 'विक्रमादित्यकालीन मुद्रा और मुद्रांक' की प्रदर्शनी लगाई जाएगी। भारतीय ऋषि वैज्ञानिक परंपरा पर केंद्रित 'आर्ष भारत' प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाएगा, जिसमें 100 से अधिक ऋषियों के जीवन और योगदान को प्रदर्शित किया जाएगा। जनसंपर्क विभाग द्वारा 'मध्य प्रदेश का विकास एवं उपलब्धियां' विषय पर और पर्यटन एवं उद्योग विभाग द्वारा भी प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी।उन्होंने बताया कि मध्य प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम द्वारा कार्यक्रम स्थल में फूडकोर्ट लगाया जाएगा। इसके माध्यम से दर्शक प्रदेश के पारंपरिक व्यंजनों का स्वाद ले सकेंगे। फूडकोर्ट में प्रदेश के विभिन्न अंचलों के पकवान-बघेलखंडी निमोना, मालवा की कॉर्न पेटिस और भुट्टे की कीस, इंदौरी पोहा और विंध्य की इंद्रहार-कढ़ी-भात उपलब्ध होंगे। प्रदेश के विशिष्ट पेय जैसे सन्नाटा, नींबू पुदीना, आम पना, सब्जा शिकंजी, गुलाब लस्सी, कुल्हड़ चाय, प्रसिद्ध मिष्ठान जैसे मावा बाटी, जलेबी और श्रीअन्न व्यंजन जैसे कोदो भात, कुटकी गुड खीर और सवां खीर भी मेनू में शामिल किए गए हैं।

(अपडेट) डोमिनिकन गणराज्य में नाइट क्लब की छत ढहने से अब तक 221 की मौत, राहत और बचाव कार्य बंद

सेंटो डोमिंगो। डोमिनिकन गणराज्य की राजधानी सेंटो डोमिंगो (नेशनल डिस्ट्रिक्ट) में मंगलवार सुबह हुए हादसे में मरने वालों की संख्या बढ़कर 221 हो गई। यह हादसा जेट सेट नाइट क्लब की छत ढह जाने से हुआ था। वाकये के वक्त गायिका रूबी पेरेज का संगीत कार्यक्रम चल रहा था। हादसे में 59 वर्षीय पेरेज के अलावा मेजर लीग बेसबॉल के पूर्व पिचर ऑक्टेवियो डोटेल, पूर्व खिलाड़ी टोनी ब्लैंको और मोंटेक्रिस्टी प्रांत के गवर्नर नेल्सी क्रूज की भी मौत हो गई। जेट सेट नाइट क्लब में हुई इस दुर्घटना में अब तक अधिकारियों ने 146 लोगों की पहचान कर ली है और मलबे से 189 लोगों को बचा लिया है। एनबीसी न्यूज की खबर के अनुसार, डोमिनिकन गणराज्य उत्तर अमेरिका महाद्वीप में एक कैरिबियाई देश है। राष्ट्रीय अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने गुरुवार सुबह मृतकों के नामों की सूची जारी की और साथ ही एक बयान में कहा कि फॉरेंसिक डॉक्टरों और पैथोलॉजिस्ट की टीमें अभी भी सभी शवों का पोस्टमार्टम करने के लिए अथक प्रयास कर रही हैं। मलबे से निकाले गए शेष शवों की पहचान की जा रही है। देश के आपातकालीन संचालन (ईओसी) केंद्र के निदेशक जुआन मैनुअल मेंडेज ने गुरुवार सुबह संवाददाता सम्मेलन में मृतकों की संख्या की पुष्टि की। मेंडेज ने कहा कि 53 घंटे की लगातार खोज के बाद बचाव अभियान को आधिकारिक तौर समाप्त कर दिया गया। संवाददाता सम्मेलन में जानकारी देते हुए रो पड़ा। मेंडेज ने कहा, आज हम ईओसी के प्रमुख के रूप में अपने 20 वर्षों के सबसे कठिन काम को पूरा कर रहे हैं। हमने सारा मलबा हटा दिया। इस दौरान हम 189 लोगों को बचा पाए।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 I31-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569